दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471



अमन लेखनी



देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी एक जरूरी पड़ताल

क्षेत्र की खुशी के लिए!

वर्ष : 12 अंक : 317 लखनऊ, 16 नवम्बर ,सोमवार 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए



बिहार में आम और खास ने मनाया पर्व : रविवार को पटना में 'छठ पूजा' के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहे।

केंद्रीय मंत्रियों,मुख्यमंत्री ने दिया अर्घ्य, अस्तलगामी सूर्य की पूजा-अर्चना की

छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य के अवसर पर देश के कई प्रमुख नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों ने पूजा-अर्चना की और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। आज होगा त्योहार का समापन

डॉ. राजकुमार सिंह चौहान
प्रधान संपादक / नई दिल्ली,

छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य के अवसर पर देश के कई प्रमुख नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों ने पूजा-अर्चना की और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर देशवासियों को छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रकृति की उपासना के इस पावन पर्व पर सभी के जीवन में सुख-शांति की कामना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी देश और विदेश के नागरिकों को छठ पूजा की बधाई दी और इस पर्व को प्रकृति के प्रति समर्पण व अनुशासन का प्रतीक बताया।

छठ महापर्व पर देशभर में रही धूम



रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची में 'छठ पूजा' के दौरान प्रार्थना की।



प्रयागराज में सूर्योपासना करतीं श्रद्धालु



सीएम रेखा गुप्ता और सांसद मनोज तिवारी भी शामिल हुए

शाह व जयशंकर ने दी शुभकामनाएं

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने सोनिया विहार वोट क्लब पर यमुना नदी के तट पर संध्या अर्घ्य अर्पित किया। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बिहार के हाजीपुर में घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पटना स्थित अपने आवास पर सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य दिग्गजों ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

खबर संक्षेप

रिंकू ने प्रधानमंत्री को दिया शादी का निमंत्रण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज के साथ होने वाले



अपने विवाह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। शादी से पहले रिंकू ने पीएम मोदी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। रिंकू ने परिवार के साथ प्रधानमंत्री से मिलकर व्यक्तिगत रूप से उन्हें निमंत्रण दिया।

उपराष्ट्रपति आज जाएंगे ओडिशा दौरे पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सोमवार को ओडिशा के दौरे पर जाएंगे।वे भुवनेश्वर में



विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित एक विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह भुवनेश्वर के मेफेयर सेंचुरी कन्वेंशन हॉल में होगा। वे श्री श्री विश्वविद्यालय के नए शैक्षणिक भवन का उद्घाटन करेंगे।

उत्तराखंड में इबोला का खतरा, निगरानी शुरू

देहरादून। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुछ अफ्रीकी देशों में बढ़ रहे इबोला वायरस के प्रकोप



के बीच उत्तराखंड सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इन अफ्रीकी देशों से आने वाले 55 पर्यटकों की निगरानी भी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने पर्यटकों की जानकारी सलमय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

60 दिन के लिए सोनम हाउस अरेस्ट किए गए

लेह। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 60 दिन के लिए नजरबंद कर दिया गया है और



रैलियों ,जुलूसों में हिस्सा लेने पर रोक लगा दी है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से यह आदेश जारी किया गया है।प्रशासन ने पुलिस की एक रिपोर्ट और लेह पुलिस प्रमुख के एक पत्र का हवाला दिया है।

प्रधानमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर गढ़चिरौली में किया संबोधित

नक्सली हिंसा की एक बड़ी कीमत आदिवासियों ने चुकाई, पिछली सरकारों ने की समाज की उपेक्षा

केंद्र सरकार ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया

माओवादी हिंसा खत्म होने के बाद अब स्थिति बदल गई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सली हिंसा के कारण आदिवासी समुदायों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में उन्हें मतदान के अधिकार से भी वंचित रखा गया। पिछली सरकारों ने आदिवासी समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया था । प्रधानमंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारें उस समय भी मूकदर्शक बनी रहीं, जब माओवादी जबरन बच्चों को उठा ले जाते थे और आदिवासी युवतियों का अपहरण करते थे। पिछली सरकारें मूकदर्शक बनी रहीं। माओवादी हिंसा खत्म होने के बाद अब स्थिति बदल गई है। आदिवासी माताएं और बहनें खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं और सरकार को आशीर्वाद दे रही हैं। बच्चों को अब शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

डिजिटल माध्यम से दिया संबोधन



आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वी जयंती

अब लोगों को मिल रही सुविधाएं

18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि वंचित समुदायों को प्राथमिकता देते हुए 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी बिजली से वंचित रहे 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है और लोगों को 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा भी दी जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए 'पीएम-जनमन' योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत एक लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया।

170 परियोजनाओं का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2021 में इसी दिन शुरू हुआ जनजातीय गौरव दिवस अब राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है। देशभर में दो लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करोड़ों लोगों ने भाग लिया। मोदी ने कहा कि इस अवसर पर रविवार को आदिवासी विकास से जुड़ी 170 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जबकि विभिन्न राज्यों में 70 से ज्यादा परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इन सभी परियोजनाओं की कुल लागत करीब 30 हजार करोड़ है।

आदिवासी नायकों के बलिदान का उल्लेख किया

उन्होंने बताया कि 100 से अधिक आकांक्षी जिलों और 500 से ज्यादा आकांक्षी ब्लॉक में विशेष विकास अभियान चलाए गए हैं। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि के क्षेत्र में पिछड़े 100 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदायों के योगदान को याद करते हुए कई आदिवासी नायकों के बलिदान का उल्लेख किया, जिनमें खासी पहाड़ियों के तिरोत सिंह, कोल आंदोलन के नेता, संथाल विद्रोह के सिद्धो-कान्हू, गोविंद गुरु, रानी गाइदिन्ल्यू, टंट्या भील, अल्लूरी सीताराम राजू और रानी दुर्गावती शामिल हैं।

अपनी विरासत और नायकों को गर्व से याद कर

प्रधानमंत्री ने कहा, आप सभी लोगों को जनजातीय गौरव दिवस की बहुत-बहुत बधाई। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। देश आज अपने आदिवासी नायक और नायिकाओं को गर्व से याद कर रहा है।

राष्ट्रपति समेत दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं

बिरसा मुंडा के जीवन को बताया शौर्य और पराक्रम का प्रतीक



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने एक्स पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास व योगदान को याद किया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, देश के महान सपूत भगवान बिरसा मुंडा का जीवन शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है।

नवीन ने रायपुर में 'गौरव दिवस' मनाया

'दिमागी नक्सलियों' को चेतावनी केंद्र सरकार उन्हें सबक सिखाएगी



अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को लोगों से 'दिमागी नक्सलियों' के प्रति सतर्क रहने की अपील की तथा आरोप लगाया कि इनमें से कुछ लोग कई संगठनों में नेतृत्व के पदों पर बैठे हैं। नवीन ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार अपने कामों एवं कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इन्हें सबक सिखाएगी। वे छत्तीसगढ़ में रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ कस्बे में 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम को डिजिटल रूप से संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। नवीन को धरमजयगढ़ में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका विमान उतर नहीं सका, जिसके चलते उनका दौरा रद्द करना पड़ा।

3 तरह के लोगों से सचेत रहने को कहा

नवीन ने माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, बस्तर के जिन इलाकों में पहले लोगों को बंदूक चलाना सिखाया जाता था, वहां अब खेल के मैदान बन गए हैं। वहां बच्चों को खेलकूद और पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन कुछ 'दिमागी नक्सली' अब भी सक्रिय हैं और अलग-अलग संगठनों में नेतृत्व के पदों पर काबिज हैं। उन्होंने लोगों को 3 तरह के लोगों से सावधान रहने को कहा, एक वे जो शहरों में वातानुकूलित कमरों में बैठकर नीतियां बनाते हैं और बच्चों को क्रांति की बातें करने के लिए उकसाते हैं-दूसरे वे जो संविधान का नाम तो लेते हैं, लेकिन लोगों को लोकतंत्र के खिलाफ भड़काते हैं। और तीसरे वे जो ऐसे 'दिमागी नक्सलियों' को अलग-अलग संगठनों के जरिए बढ़ावा देते हैं।

कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोटबैंक बनाया

नवीन ने कहा कि सरकार अपने कामों और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए ऐसे लोगों को सबक सिखाएगी। नवीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से दूर रखा और उनके वोट का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदों के लिए किया। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान ही 'जनजातीय कार्य मंत्रालय' की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा, 'भाजपा आदिवासी समुदाय के लिए काम करती है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी सौंपती है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव

सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस सपा में रार, खींचातानी बढ़ी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान और रार बढ़ गई है।खबरों और अखिलेश यादव के बयान के अनुसार कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस का तर्क है कि उसने 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन और जातीय समीकरणों के आधार पर ये सीटें मांगी हैं।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा है,बात सीट की नहीं जीत की है, मुख्य लक्ष्य गठबंधन की जीत है। सपा सांसद शिवपाल सिंह पटेल ने कांग्रेस की 181 सीटों की मांग को अव्यावहारिक बताते हुए कहा है कि कांग्रेस को अधिकतम 50 से 65 सीटों के बीच समझौता करना चाहिए।

ट्राई ने फर्जी कॉल्स पर शिकंजा कसा

3 महीने में 1.24 लाख मोबाइल कनेक्शन और संसाधन बंद किए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,



टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने स्पैम और फर्जी कॉल्स पर शिकंजा कसते हुए जुलाई से सितंबर के दौरान लगभग 1.245 लाख से अधिक मोबाइल कनेक्शन और टेलीकॉम संसाधनों पर बड़ी कार्रवाई की है। पहली बार नियम तोड़ने वाले 1,10,325 टेलीकॉम संसाधनों की आउटगोइंग सेवाएं 15 दिन के लिए निलंबित की गईं। बार-बार नियम तोड़ने वाले 13,777 कनेक्शनों को पूरे 1 साल के लिए बंद कर दिया गया। अनचाहे कमर्शियल मैसेज भेजने वाले 3,725 एसएमएस हेडर ब्लॉक किए गए। 15.29 लाख शिकायतों में 7.23 लाख पर कार्रवाई की। 19.9 अरब संदेहास्पद कॉल्स और एसएमएस की पहचान की। प्रमोशनल कॉल्स के लिए '140' सीरीज, बैंकिंग/इंश्योरेंस सेवाओं के लिए नई सुविधा दी।

चक्रवाती तूफान मचाएगा हलचल



नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अवदाब 17 नवंबर तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु के उत्तरी तटीय जिलों, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में बारिश होने का अनुमान है। शनिवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अवदाब क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा और गहरे दबाव में बदल गया।

युवती पर डंडों से जानलेवा हमला, निजी अस्पताल में भर्ती

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बीते दिनों कुछ लोगों ने एक युवती पर डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। गंभीर रूप से घायल युवती का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। इस मामले में पीड़िता के पिता ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा थानान्तर्गत पहाड़पुर के मजरा हिमनीखेड़ा निवासी अशोक सिंह के मुताबिक उनकी 20 वर्षीय बेटी कल्पना सिंह अमेजन कंपनी में काम करती है। अशोक का कहना है कि 12 नवंबर को वह कंपनी से घर लौट रही थी। तभी जुनाबगंज-मोहनलालगंज रोड पर खटोला में वन विभाग के जंगल के पास पहुंचते ही उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना अंतर्गत दरेहटा निवासी अजय कुमार रावत ने अपने दो तीन साथियों के साथ मिलकर उस पर डंडों से हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। बाद में हमलावर उसे मरा समझकर मौके से फरार हो गए। पीड़िता के पिता का कहना है कि कंपनी के कर्मचारियों ने उसे पहले पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर लोकबंधु अस्पताल और फिर ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। बाद में जुनाबगंज स्थित प्रसाद अस्पताल में उसका इलाज जारी है। अशोक का कहना है कि बेटी को पहले भी जान से मारने की धमकी दी गई थी। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश में महिला को लाठी-डंडों से पीटा, तीन के खिलाफ रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों पुरानी रंजिश को लेकर कुछ लोगों ने एक महिला को लाठी-डंडों से जमकर पीटकर घायल कर दिया। पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों को आता देख आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस मामले में पीड़िता ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर के तपोवन नगर चिल्लावां निवासी राजेश्वरी पत्नी रामानंद के मुताबिक 13 नवंबर की सुबह करीब 9:55 बजे वह अपने घर के बाहर बैठी हुई थी।

डीपीएस एल्डिको में 8 वर्षीय छात्र के साथ कथित मारपीट और मानसिक प्रताड़ना का मामला

प्रधानाचार्या समेत 3 के खिलाफ एफआईआर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रायबरेली रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल, एल्डिको में कक्षा 3 के एक 8 वर्षीय छात्र के साथ कथित मारपीट, गाली-गलौज और उसके बाद पहचान उजागर कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में थाना पीजीआई में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। शिकायतकर्ता छात्र के पिता ने स्कूल की प्रधानाचार्या, स्कूल काउंसलर और रोबोटिक्स शिक्षक के खिलाफ किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

क्या लगाया गया आरोप

शिकायत के अनुसार, 15 अक्टूबर 2026 को रोबोटिक्स क्लास के दौरान एक बड़ी कक्षा के छात्र ने पीड़ित छात्र के साथ कथित रूप से मारपीट की और अपशब्द कहे। छात्र ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना बताई। आरोप है कि अगले दिन 16 अक्टूबर को जब परिजन स्कूल में शिकायत लेकर पहुंचे तो पहले तो मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद काउंसलर द्वारा पीड़ित छात्र को कक्षा 5 से 8 तक की सभी कक्षाओं में ले जाकर कथित आरोपी छात्र की पहचान कराने के लिए घुमाया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस दौरान 1000 से अधिक विद्यार्थियों के सामने बच्चे की पहचान उजागर हो गई, जिससे वह सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा हुआ और मानसिक आघात पहुंचा। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि यह सब जानते हुए किया गया कि कथित हमलावर छात्र उस दिन विद्यालय में उपस्थित ही नहीं था। शिकायतकर्ता के अनुसार, इसके बाद से बच्चा गुमसुम रहने लगा है। शिकायतकर्ता ने ऋकफ में यह भी कहा है कि उन्होंने स्कूल प्रबंधन से सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की थी, लेकिन इस पर कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में अभी स्कूल प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

जेसीबी की टक्कर से टूटे 33-केवी लाइन के डबल पोल, वृंदावन सेक्टर-16 में बिजली सप्लाई ठप

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई क्षेत्र के वृंदावन योजना स्थित सेक्टर-16 में एक बार फिर लापरवाही के कारण बड़ा हादसा टल गया, लेकिन बिजली निगम को भारी वित्तीय क्षति उठानी पड़ी। एक अनियंत्रित जेसीबी की टक्कर से 33-केवी बिजली लाइन के डबल पोल टूटकर धराशाई हो गए। इस घटना के बाद इलाके की बिजली सप्लाई तुरंत ट्रिप हो गई, जिससे कई घंटों तक स्थानीय लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा।

1.11 लाख रुपए का नुकसान

बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस दुर्घटना में निगम को कुल 1,11,000 रुपए (1.11 लाख रुपए) का वित्तीय नुकसान हुआ है। टूटे हुए पोल और क्षतिग्रस्त लाइनों को ठीक करने के लिए विभाग की तकनीकी टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया, जिसके बाद मरम्मत का काम शुरू किया गया।

सप्लाई हुई ट्रिप, लोग परेशान

अचानक पोल टूटने और लाइन क्षतिग्रस्त होने से 33-केवी फीडर की सप्लाई ट्रिप हो गई। इससे सेक्टर-16 और आसपास के इलाकों में बिजली गुल हो गई। छुट्टी और उमस भरे मौसम के बीच बिजली न होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बिजली आपूर्ति सुचारू करने का काम शुरू किया।

प्लॉट के नाम पर 7.19 लाख ठगे, कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में प्लॉट बेचने के नाम पर एक महिला से 7.19 लाख रुपये से अधिक की रकम लेने के बावजूद न तो प्लॉट की रजिस्ट्री की गई और न ही उसे कब्जा दिया गया। परेशान पीड़िता ने इस मामले में रियल एस्टेट कंपनी के प्रबंध निदेशक सहित अन्य संबंधित लोगों पर आरोप लगाते हुए न्यायालय में गुहार लगाई। फिलहाल न्यायालय का आदेश पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वजीरगंज निवासी जैनब जेहरा पत्नी सैय्यद बाकर अली इस्माइल के मुताबिक उन्होंने 18 फरवरी 2013 को विकास नगर अंतर्गत कुर्सी रोड के विकास प्लाजा स्थित रफ्तार रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक जगदत्त वर्मा से सरोजनीनगर के मीरानपुर पिनवट में करीब एक हजार वर्गफुट के आवासीय प्लॉट संख्या 213 की बुकिंग कराई थी। जैनब जेहरा का कहना है कि इसके लिए उन्होंने किस्तों में कुल 7,19,220 रुपये का भुगतान किया। इसके अलावा रजिस्ट्री शुल्क के नाम पर 50 हजार रुपये भी उनसे जमा कराए गए। आरोप है कि इसके बावजूद कंपनी की ओर से न तो प्लॉट की रजिस्ट्री की गई और न ही कब्जा दिया गया। पीड़िता का कहना है कि उसने 24 नवंबर 2024 को आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि जांच के दौरान आरोपी ने रकम वापस करने या दूसरे फेज में प्लॉट देने का आश्वासन देकर शिकायत का निस्तारण करा लिया, लेकिन बाद में अपना वादा पूरा नहीं किया। पीड़िता का कहना है कि परेशान होकर उसने 11 जुलाई 2026 को पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। फिलहाल न्यायालय के आदेश पर अब पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अंधविश्वास का जालः महिला डॉक्टर से 67लाख रुपये की ठगी, मां-बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई थाना क्षेत्र में अंधविश्वास और तांत्रिक अनुष्ठान का डर दिखाकर एक महिला डॉक्टर से 67.17 लाख रुपये ठगे जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। परिवार पर दुष्टात्माओं का साया और 'मृत्यु योग' का भय दिखाकर मां-बेटे ने इस पूरी ठगी को अंजाम दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वृंदावन आवास विकास कॉलोनी निवासी डॉ. अंशु श्रीवास्तव (साउथ सिटी स्थित आशीर्वाद अस्पताल के संचालक डॉ. रवि श्रीवास्तव की पत्नी) ने पुलिस आयुक्त को दी गई शिकायत में बताया कि उन्नाव के कालूखेड़ा निवासी सुरेंद्र और उसकी मां बिटाना ने उनके परिवार को संकट में बताया। आरोपियों ने घर में बुरी आत्माओं का प्रवेश होने और पति व बच्चों पर मृत्यु योग मंडराने का झांसा देकर मानसिक रूप से भयभीत कर दिया।

लोन लेकर और मकान गिरवी रखकर दी रकम

परिवार की सलामती की चिंता में डॉ. अंशु जालसाजों के झांसे में आती चली गईं। उन्होंने पति को बताए बिना कई बैंकों से पर्सनल लोन लिया और अपनी मां का मकान तक बंधक रखकर कर्ज उठाया। यह रकम अलग-अलग किस्तों में आरोपियों के खातों में ट्रांसफर की जाती रही।

धमकी और पुलिस कार्रवाई

जब पीड़िता को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने इसका विरोध किया, तो दबाव बनाने पर आरोपियों ने 21 अप्रैल को 20 लाख रुपये वापस कर दिए। बाकी के 47.17 लाख रुपये 6 मई तक लौटने का वादा किया गया, लेकिन बाद में आरोपी मुकर गए। अब शेष रकम मांगने पर वे पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और फरार मां-बेटे की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

संध्या अर्घ्य के साथ महापर्व छठ के तीसरे दिन की पूजा सम्पन्न

सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पूरा होगा करीब 36 घंटे का निर्जला उपवास

अमन लेखनी समाचार



लखनऊ। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए रविवार की शाम देश की प्रमुख नदियों के तटों और जलाशयों के साथ ही कालोनियों, सोसाइटी और मंदिरों में बनाये गए विशेष पूजा स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति अद्भुत छटा बिखेर रही। इसके साथ ही लोकआस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन की पूजा सम्पन्न हुई। परिवार की खुशहाली, समृद्धि, संतान की लम्बी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य की कामना से इस चार दिवसीय महापर्व का समापन अब सोमवार को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ सम्पन्न होगा। इसी के साथ ही शनिवार की शाम को खरना के बाद शुरू हुआ लगभग 36 से 40 घंटे तक का निर्जला उपवास सोमवार को प्रसाद ग्रहण के साथ पूरा होगा। यह पर्व दृढ़ता, व्रती की प्रबल इच्छाशक्ति, भक्ति व विश्वास का अद्भुत उदाहरण है। परिवार जनों, पड़ोसियों और दोस्तों के साथ सूर्य देव व प्रकृति उपासना के इस चार दिवसीय महापर्व का पूरी श्रद्धा के साथ व्रत-पूजन कर रहीं विभा शर्मा का कहना है कि लोकआस्था के इस महापर्व छठ की शुरूआत शुक्रवार को नहाय-खाय से हुई थी। शनिवार को खरना से शुरू हुआ निर्जला उपवास सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण के साथ पूर्ण होगा। तरह-तरह के मौसमी फलों से सजे सूप के बारे में उनका कहना है कि प्रकृति के यह ऐसे अनमोल रत्न हैं जो हमें प्रकृति की रक्षा और उनकी उर्वरा शक्ति को सहेजकर रखने का सन्देश भी देते हैं। भगवान सूर्य को जीवन प्रदान करने के साथ ही ऊर्जा से परिपूर्ण करने और जीवन में उजियारा बिखेरने की मनोकामना से भी विशेष पूजन-अर्चन का विधान है। पृथ्वी पर प्राणियों के अस्तित्व के आधार का भी दर्जा उन्हें ही प्राप्त है। इस तरह कार्तिक मास शुक्ल पक्ष षष्ठी पर उनके इस विशेष पूजन-अर्चन को सूर्य देव की बहन और प्रकृति की देवी छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भी पूरे विधि-विधान से किया जाता है। घाटों और पूजा स्थलों पर भक्ति गीत और लोकगीत भी गूंज रहे थे, जो बरबस लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे।

दहेज लोभियों की शर्मनाक करतूतः बीमारी का पता चलते ही पत्नी को मायके छोड़ा, 5 लाख और बाइक की मांग

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई थाना क्षेत्र से दहेज प्रताड़ना का बेहद दुखद और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। खरिका (तेलीबाग) की रहने वाली शिवानी सैनी ने अपने पति और ससुराल पक्ष के सात लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि शादी के कुछ ही समय बाद जब उसकी किडनी खराब होने की बात सामने आई, तो ससुराल वालों ने उसे केवल पहने हुए कपड़ों में मायके छोड़ दिया और उसके सभी जेवर व घरेलू सामान हड़प लिए।

शादी में दिया था भारी दहेज-

शिवानी की शादी 10 फरवरी 2026 को शिवाला गली (मोहनलालगंज) लखनऊ निवासी यश सैनी उर्फ बाबू से हुई थी। परिजनों ने अपनी क्षमता से बढ़कर 5 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण और गृहस्थी का सारा सामान दिया था। आरोप है कि शादी के दो दिन बाद से ही ससुराल वाले कम दहेज का ताना देने लगे और अतिरिक्त 5 लाख रुपये व मोटरसाइकिल की मांग करने लगे।

किडनी बीमारी बनी प्रताड़ना की वजह-

पीड़िता के अनुसार, उसका पति किसी अन्य युवती से शादी करना चाहता था। 19 मार्च 2026 को जांच के दौरान जब शिवानी की एक किडनी में समस्या का पता चला, तो ससुराल वालों का अत्याचार और बढ़ गया। 5 अप्रैल को पति उसे मायके छोड़ आया और शर्त रखी कि 5 लाख रुपये, बाइक और दूसरी किडनी लगवाने के बाद ही वह वापस आ सकती है।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा-

तबीयत ठीक होने के बाद जब शिवानी अपने पिता के साथ ससुराल पहुंची, तो ससुराल वालों ने दरवाजा बंद कर लिया, अपशब्द कहे और कपड़े बाहर फेंक दिए। पीड़िता की शिकायत पर पीजीआई थाने में पति यश सैनी समेत 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक पायल कुमारी को सौंपी गई है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर पुलिस की कार्रवाई, शादी का झांसा देने वाला युवक जेल भेजा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक 13 नवंबर शुक्रवार को एक युवती ने बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि थाना क्षेत्र के ओमेक्स सिटी, बिजनौर रोड निवासी गौरव सिंह (27) ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने जब उस पर शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इतना ही नहीं आरोपी ने युवती और उसके माँ - बाप को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस का कहना है कि पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक



कपिल गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों की मदद से शनिवार 14 नवंबर की रात आरोपी गौरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रविवार को उसे जेल भेज दिया है।

छठ महापर्व पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने दी शुभकामनाएं, कहा- व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

अमन लेखनी समाचार



सरोजनीनगर, लखनऊ। छठ महापर्व के पावन अवसर पर सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने समस्त क्षेत्रवासियों, विशेषकर छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ. सिंह ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति की आस्था, प्रकृति उपासना और सामाजिक समरसता का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व अनुशासन, तपस्या और पवित्रता की महान परंपरा का प्रतीक है। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने से लेकर उदीयमान सूर्य की आराधना तक, छठ का प्रत्येक अनुष्ठान हमारे जीवन में कृतज्ञता, सकारात्मकता और प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों की सुविधा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आयोजन उनकी प्राथमिकता है। सरोजनीनगर में छठ महापर्व के आयोजन को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न छठ पूजा स्थलों एवं घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि छठ व्रतियों, महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना एवं अर्घ्य के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। डॉ. सिंह ने कहा कि उनका प्रयास है कि सरोजनीनगर में प्रत्येक धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन श्रद्धा, गरिमा और बेहतर नागरिक सुविधाओं के साथ संपन्न हो। छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता, सामाजिक सहयोग और लोकसंस्कृति के संरक्षण का भी उत्सव है। ऐसे पर्व हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं एवं जीवन मूल्यों से जोड़ते हैं। अंत में उन्होंने भगवान सूर्य और छठी मैया से सरोजनीनगर के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

छठ पूजा भारत के कई हिस्सों में मनाया जाता है : डॉ शिवांगी यादव

अमन लेखनी समाचार



लखनऊ।लखनऊ के इंद्रा नगर और वराणसी के एक कस्बे में रहने वाली डॉ शिवांगी यादव बताती है की छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला एक महापर्व है, जो मुख्य रूप से सूर्य देव और छठी मैया की उपासना को समर्पित है। चारों दिनों के नियम और अनुष्ठान अलग अलग है। ड्डपहला दिनः नहाय-खाय (कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी) व्रती (व्रत करने वाले) सुबह नदी, तालाब या घर पर ही पवित्र स्नान करते हैं। इस दिन घर और रसोई की पूरी सफाई की जाती है। ड्डदोपहर में शुद्ध सात्विक भोजन- जैसे अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू (लौकी) की सब्जी तैयार करके भोग लगाया जाता है और व्रती इसे ग्रहण करते हैं। ड्डदूसरा दिनः खरना (पंचमी) व्रती पूरे दिन निर्जल (बिना पानी के) उपवास रखते हैं। शाम को मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी से गुड़ और चावल की खीर बनाई जाती है। भगवान को भोग लगाने के बाद व्रती और परिवार के लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसी प्रसाद को ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। तीसरा दिनः संध्या अर्घ्य (षष्ठी) पूरे दिन व्रत रखने के बाद शाम को नदी या तालाब के घाट पर बांस की टोकरी (सूप) में ठेकुआ, चावल के लड्डू, मौसमी फल और गन्ने के साथ पूजा की थाल सजाई जाती है सभी लोग पानी में खड़े होकर या घाट पर अस्ताचलगामी (डूबते हुए) सूर्य को दूध और जल से अर्घ्य देते हैं। रात में कोसी भरने का अनुष्ठान भी किया जाता है। चौथा दिनः ऊषा अर्घ्य और पारण (सप्तमी) सुबह सवेरे उगते हुए सूर्य (उदित सूर्य) को नदी या तालाब के घाट पर अंतिम अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद व्रती अदरक और चीनी या थोड़ा सा प्रसाद खाकर अपना 36 घंटे का कठिन व्रत खोलते हैं (पारण करते हैं) परिवार और आस-पास के लोगों में प्रसाद (ठेकुआ और फल) बांटा जाता है। डॉ शिवांगी यादव ग्राम अहिरन ढकवा गोसाईगंज लखनऊ में पली बढ़ी है शादी के बाद अपनी और परिवार की जिम्मेदारी उठा रही है।

दबंगों ने मां-बेटे को लाठी-डंडों से पीटा, चेन और नकदी लूटने का आरोप, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के गोपरामऊ गांव में चार पहिया वाहन से पहुंचे दबंगों ने मां-बेटे पर हमला कर दिया। आरोप है कि करीब 15-16 लोगों ने दोनों को लाठी-डंडों और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। हमलावर महिला की सोने की चेन, बेटे का मोबाइल और 10 हजार रुपये की नकदी छीनकर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने 10 नामजद और 16 अज्ञात लोगों के खिलाफ एससी-एसटी समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। माल इलाके के गोपरामऊ गांव निवासी रामप्यारी पत्नी घनश्याम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार अक्टूबर की रात करीब आठ बजे वह अपने बेटे बबलू के साथ घर के बाहर खड़े दोपहिया वाहन के पास मौजूद थीं। इसी दौरान चार पहिया वाहन से बबलू लोहार, उसका बेटा शिवा और अन्य लोग वहां पहुंचे। आरोप है कि वाहन से बबलू ने दोपहिया वाहन में टक्कर मार दी। विरोध करने पर आरोपियों ने मां-बेटे के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देने लगे। पीड़िता के मुताबिक, कुछ ही देर में गांव के सुनील, अजीत, पुष्पा, अरविंद, जैना का नाती भूरा रैदास, विजय रैदास, राम रतन की पत्नी, विशाल 16 अज्ञात उपरोक्त निवासी गोपरामऊ भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि सभी ने मिलकर उसके बेटे बबलू को जबरन कपड़े उतरवाकर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों के साथ भी मारपीट की गई। महिला का आरोप है कि हमलावर उसकी करीब पांच ग्राम सोने की चेन, बेटे का मोबाइल फोन और 10 हजार रुपये नकद छीन ले गए। किसी तरह मां-बेटे ने अपनी जान बचाई। पीड़िता ने दावा किया कि घटना आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। रामप्यारी ने बताया कि घटना के बाद डायल 112 पर सूचना दी गई थी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन उस समय कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद शनिवार को पीड़िता ने माल थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि महिला की तहरीर पर 10 नामजद और 16 अज्ञात लोगों के खिलाफ एससी-एसटी समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पेट्रोल पंप पर गाड़ी हटाने को लेकर मारपीट, एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद के बंजारन खेड़ा स्थित ग्रामीण पेट्रोल पंप पर बाइक हटाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की पिटाई कर दी गई। आरोप है कि कार सवार युवक ने अपने साथियों को बुलाकर उसके साथ मारपीट की और जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के सुरगौला निवासी विशाल के मुताबिक, बीते 12 नवंबर की शाम वह बंजारन खेड़ा स्थित पेट्रोल पंप पर अपनी बाइक में पेट्रोल भरवा रहा था। तभी यूपी 32 डीवी 3425 नंबर की आल्टो कार से पहुंचे युवक ने उससे गाड़ी हटाने को कहा। इसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी। आरोप है कि कार सवार कैफ ने उसके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर जातिसूचक अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। विशाल का आरोप है कि इसके बाद कैफ ने अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। सभी ने मिलकर उसे लात-घूंसों से पीटा। मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद कैफ और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट समेत सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच एसीपी मलिहाबाद कर रहे हैं।

नीवा गांव को मिली नई पुलिस चौकी, डीसीपी ने किया उद्घाटन

बंथरा में खुला पुलिस सहायता केंद्र, अपराध पर लगेगी लगाम

अमन लेखनी समाचार



सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के नीवा गांव में बनी-मोहनलालगंज रोड किनारे नवनिर्मित पुलिस चौकी एवं पुलिस सहायता केंद्र का रविवार को डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुस्ताक ने पूजा पाठ करने के साथ फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में पौधरोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उद्घाटन के बाद डीसीपी ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर क्षेत्र में होने वाले अपराधों, अवैध शराब की बिक्री और जुए के कारोबार के संबंध में जानकारी ली। इस पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओमकार चौरसिया ने क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन और शराब बिक्री की समस्या उठाई। उन्होंने इन अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की सूची पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही। डीसीपी ने ग्रामीणों से अपराध नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। वहीं पुलिस चौकी के निर्माण में सहयोग करने वाले कारीगर राजेंद्र और कल्लू पहलवान को भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसीपी कृष्णानगर लक्ष्मण वर्मा और बंथरा इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने डीसीपी का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इसके अलावा डीसीपी ने चौकी इंचार्ज अरविंद यादव और हरेंद्र यादव का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया।

संक्षेप

किशोरी हुई लापता युवक पर साथ ले जाने का आरोप

मौरावां, उन्नाव। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 12 नवंबर को उनकी बेटी सिलाई सीखने गई थी। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान पता चला कि किशोरी घर जाने की बात कहकर वहां से निकली थी, लेकिन घर नहीं पहुंची। आरोप है कि गांव का ही आकाश पुत्र बच्चूलाल उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पीड़िता की मां ने 14 नवंबर को थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की और बेटी की सकुशल बरामदगी के साथ आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर खोजबीन शुरू की है।

अनियंत्रित कार पलटी, चार युवक घायल

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई इस हादसे में सवार चार लोग घायल हुए जिन्हें बांगरमऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया। चालक करन वर्मा पुत्र राजेंद्र वर्मा निवासी सिविल लाइन थाना रिकाबगंज जनपद फैजाबाद अपने साथी छयांश जायसवाल,राहुल यादव, शिवम सिंह यह चारों लोग कार में सवार होकर दिल्ली से फैजाबाद जा रहे थे तभी रविवार को सुबह करीब 3 बजे बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव सबली खेड़ा के निकट किन्ही परिस्थितियों में उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई इस हादसे में सवार चारों लोग घायल हो गए जिन्हें बांगरमऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया।घटना के बाद यूपीडा रेस्क्यू टीम ने क्षतिग्रस्त कार का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर खड़ी कराया। थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया है कार हादसे में चार लोग सवार थे घटना की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

महिला ने दहेज उत्पीड़न का दर्ज कराया मुकदमा

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र अंतर्गत दहेज की मांग को लेकर विवाहिता के साथ मारपीट करने और घर से भगा देने के मामले में पुलिस ने दहेज उत्पीड़न सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के ग्राम भैयाखेड़ा - भगवंतनगर नगर निवासिनी राखी देवी ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसका विवाह करीब डेढ़ साल पहले राहुल निवासी रावतपुर, थाना बिहार के साथ हुआ था। शादी के कुछ दिन तक सब ठीक-ठाक चलता रहा, लेकिन जब वह अपनी मां की बीमारी के सिलसिले में मायके गई थी और इसके बाद नवरात्रि पक्ष में वापस ससुराल लौटी, तो विवाद शुरू हो गया। पीड़िता का आरोप है कि उसकी सास शान्ति, ननद नेहा और निकिता ने मिलकर 2 लाख रुपयों की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की व गाली गलौज कर घर से भगा दिया। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया तहरीर के आधार पर चार ससुरालीजनों पर दहेज एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

34 विवादित दंपतियों के बीच समाप्त कराया गया पारिवारिक विवाद

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में पारिवारिक विवादों के समाधान, दांपत्य संबंधों में आपसी सामंजस्य स्थापित करने तथा परिवारों को टूटने से बचाने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदीप कुमार सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी लाइन की अध्यक्षता एवं मधुपनाथ मिश्रा क्षेत्राधिकारी बीघापुर की उपस्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन, स्थित परिवार परामर्श केन्द्र एवं जनपद के विभिन्न थानों में संचालित महिला हेल्प डेस्क पर पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाकर उनकी काउंसलिंग की गई। उक्त कार्यक्रम में परिवार परामर्श केन्द्र के परामर्शदाताओं व परामर्श केन्द्र पुलिस टीम तथा महिला हेल्प डेस्क की पुलिस टीम द्वारा पारिवारिक विवादों के समाधान हेतु विशेष पहल की गई। इस दौरान विवादित पति-पत्नी के जोड़ों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा आपसी संवाद, समझाइश एवं परामर्श के माध्यम से उनके बीच उत्पन्न मनमुटाव को दूर करने का प्रयास किया गया।

परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्प डेस्क की टीम द्वारा दोनों पक्षों की बात सुनकर उन्हें आपसी विश्वास, प्रेम, सम्मान, सहनशीलता तथा पारिवारिक जिम्मेदारियों के महत्व से अवगत कराया गया। प्रभावी काउंसलिंग के परिणामस्वरूप कई जोड़ों के मध्य उत्पन्न विवादों का समाधान कराया गया तथा उन्हें आपसी मतभेद भुलाकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में साथ रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दांपत्य जीवन में पुनः सामंजस्य स्थापित करना, पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाना तथा विवादों के कारण परिवारों को बिखरने से बचाना रहा। काउंसलिंग के उपरांत कुल 34 जोड़ों को आपसी सहमति एवं बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। इनमें थाना पुरवा से 09, महिला थाना से 07, परिवार परामर्श केन्द्र, रिजर्व पुलिस लाइन, उन्नाव से 05, थाना अजगैन से 03, थाना बांगरमऊ व थाना बारासगवर से 02-02 जोड़े, थाना कोतवाली सदर, थाना आसीवन, थाना बीघापुर, थाना हसनगंज, थाना मौरावां व थाना दही से 01-01 जोड़ा शामिल है। इस प्रकार परिवार परामर्श केन्द्र एवं महिला हेल्प डेस्क की संयुक्त पहल से जनपद के विभिन्न थानों में कुल 34 दंपतियों के बीच उत्पन्न विवादों को समाप्त कराने तथा उन्हें आपसी सहमति से साथ रहने के लिए प्रेरित करने में सफलता प्राप्त हुई। यह पहल महिला सुरक्षा, पारिवारिक कल्याण तथा सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने की दिशा में उन्नाव पुलिस के निरंतर प्रयासों को दशार्ती है। उक्त पुनीत कार्य में प्रभारी परिवार परामर्श समिति डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ शशि रंजना अग्निहोत्री, डॉ. एस.के. पाण्डेय, तबस्सुम नफीस, डा0 सागीर अली, डा0 अबसार अली शिवेन्द्र सिंह का विशेष योगदान रहा। पुलिस टीम की ओर से प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र/महिला हेल्प डेस्क संतोष कुमारी, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह, महिला उपनिरीक्षक मिथिलेश वर्मा तथा महिला हेल्प डेस्क की महिला आरक्षीगण मीनू, आंचल, प्रियंका मिश्रा, राखी राघव, आकांक्षा, पूनम शाक्य, अल्का यादव, सेविका, आकांक्षा, बबली, प्रीती यादव, पूनम यादव, सुकीर्ती सिंह, रेनू कटियार, अंशू रानी, चिंतन, साधना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नशाखोरी और जुआ-सट्टे से दूर रहें मुस्लिम नौजवानः-शहर काजी सैय्यद जियाउल आरफीन

अमन लेखनी समाचार



बांगरमऊ, उन्नाव। शहर काजी और ईदगाह के पेश इमाम सैय्यद जियाउल आरफीन ने मुस्लिम समाज, विशेषकर नौजवानों और बच्चों को नशाखोरी तथा जुआ-सट्टे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि नौजवानों और बच्चों के बीच शराब, दारू, बीयर पीने तथा जुआ और सट्टा खेलने की प्रवृत्ति बढ़ना बेहद चिंताजनक है। इस्लाम में इन सभी कार्यों को सख्ती से मना किया गया है और इन्हें हराम करार दि शहर काजी सैय्यद जियाउल आरफीन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शराब और अन्य नशीले पदार्थ इंसान की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित करते हैं। वहीं जुआ और सट्टा व्यक्ति को आर्थिक एवं पारिवारिक परेशानियों की ओर ले जाते हैं। इन बुरी आदतों का असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे पूरा परिवार और समाज प्रभावित होता है। खासकर कम उम्र के बच्चों और युवाओं को ऐसी बुराइयों से बचाना समाज के प्रत्येक जिम्मेदार व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के लोगों को चाहिए कि वे इस्लाम की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाएं और अल्लाह तथा उसके रसूल के बताए सीधे और सच्चे रास्ते पर चलें। इस्लाम में जिन कार्यों को मना किया गया है, उनसे हर हाल में बचना चाहिए। शराब, जुआ और सट्टे जैसी हराम गतिविधियों से सच्चे दिल से तौबा करके हमेशा के लिए इनसे दूरी बना लेनी चाहिए। शहर काजी ने अभिभावकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान दें, उन्हें अच्छे संस्कार दें और दीन एवं नैतिक शिक्षा से जोड़ें। बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाना तथा उन्हें बुरी संगत से बचाना बेहद जरूरी है। नौजवान देश और समाज का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों, शिक्षा, मेहनत, इबादत और समाज की भलाई में लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक अच्छा इंसान वही है जो अपने आचरण, व्यवहार और कार्यों से परिवार तथा समाज के लिए मिसाल बने। समाज में अमन, सुकून, आपसी भाईचारा और नैतिकता कायम रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अंत में शहर काजी सैय्यद जियाउल आरफीन ने मुस्लिम समाज के लोगों से अपील की कि वे नशाखोरी, जुआ और सट्टे जैसी बुराइयों को छोड़कर इस्लाम की पाकीजा शिक्षाओं के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करें, ताकि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बेहतर बनाया जा सके।

छात्र-छात्राओं को मिले टैबलेट, सीएम योगी ने किया वितरण



अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। छात्र-छात्राओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में उन्नाव जिले के विभिन्न डिग्री कॉलेजों के विद्यार्थियों को टैबलेट देकर सम्मानित किया गया।रविवार दोपहर आयोजित कार्यक्रम में उन्नाव के तौरा संस्कार डिग्री कॉलेज के 50 और एसजी डिग्री बीएड प्रशिक्षण केंद्र के 43 छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किए गए। टैबलेट पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर मीनाक्षी शर्मा, दीपाली, मनीष, अंकुर गुप्ता, पलक तिवारी, अर्चना, हर्षिता पांडेय सहित कई छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार चतुवेर्दी, अजय श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, राहुल द्विवेदी, शिखा द्विवेदी, अरदीप, शुभांक सिंह, राजेश सिंह सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

जो ज्ञान का व्यवसाय करता है ,केवल स्वार्थ के लिये धर्म का दोहन करता है

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। असोहा क्षेत्र के अजयपुर स्थित पावन धाम कुटी बीर बाबा मंदिर प्रांगड़ में चल रहे ग्यारहवे हनुमत रुद्र महायज्ञ एवम मानस वेदांत सन्त सम्मेलन के चौथे दिन राम कथा के दौरान प्रयाग से आये मानस लहरी जी ने भक्तो को बताया कि मोह सकल व्याधिन कर मुला , अर्थात मोह ही इस सांसार में सभींप्रकार के दुखो ,कष्टों ,वेदना आदि का कारण है , मनुष्य यदि इस भौतिक संसार मे मोह करे तो भगवत प्राप्ति के लिये ईश्वर से करे तो कभी दुखी नही रह सकता है ,कथा के दौरान उन्होंने कहा जब तक मोह का त्याग नही होगा तब तक काम ,क्रोध ,लोभ ,मोह जैसे विकार मनुष्य की आत्मा को विचलित करते हुएमनुष्य की अंदर से अशान्त करते हुए बीमार बनाये रखेंगे , इसलिये मनुष्य को परोपकार व सत्कर्म करते हुए अच्छे आचरण करने चाहिए। आयोजक भाजपा नेता संजय शुक्ल ने बताया कि 16 तारीख दिन सोमवार को यज्ञ प्रांगड़ में यगोपवीत होने है ,अभी तक कांथा , डलाखेड़ा ,कन्दरपुर , उतरौरा ,अजयपुर ,निमैचा के नव बटुकों के परिवारों ने यग्योपवीत के लिये तैयरी की ,उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रम कुटी बीर बाबा स्वयं सहायता समूह की ओर से निशुल्क कराए जाएंगे ,उन्होंने क्षेत्र वासियो से अधिक से अधिक संख्या यग्योपवीत जैसे पुनीत कार्यक्रम करवाने के लिये आग्रह किया है ।कथा के दौरान हरिकेश यादव , नुवाजुल हसन , नान्ह यादव , ताहिर पठान ,लकी सविता , अंशु अवस्थी , शानू अवस्थी , प्रेम जायसवाल , शुशील शुक्ल सहित क्षेत्र के सैकड़ो भक्त गण उपस्थित रहे ।

भगवंतनगर-चैनपुर मार्ग पर गड्ढों से हादसे, एक महिला की मौत के बाद भी नहीं सुधरी सड़क

अमन लेखनी समाचार



बीघापुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के भगवंतनगर-चैनपुर मार्ग की बदहाल स्थिति लगातार हादसों का कारण बन रही है। जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढों से राहगीरों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक कुछ माह पहले इसी मार्ग पर हुए हादसे में एक महिला की जान भी चली गई थी, इसके बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं हो सकी है।इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों ग्रामीण, स्कूली बच्चे, महिलाएं और किसान गुजरते हैं। गड्ढों के बीच दोपहिया वाहन चलाना मुश्किल हो गया है। बरसात के बाद सड़क और अधिक खराब हो गई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार पीडब्ल्यूडी विभाग को इस बारे में अवगत कराया गया। कुछ महीने पहले विभाग के जेई से बात करने पर बारिश के बाद डामरीकरण कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन सात से आठ माह बीत जाने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ। ग्रामीणों ने मांग की है कि विभाग जल्द से जल्द सड़क का निर्माण और डामरीकरण कराए ताकि हादसों को रोका जा सके।

शराब पीने के दौरान विवाद युवक को मारा चाकू, हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र में शनिवार रात शराब पीने के दौरान हुए विवाद में दो युवकों ने 18 वर्षीय सरवन पर चाकू से हमला कर दिया। पेट में चाकू लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिक खून बहने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घायल सरवन तिघरा गांव निवासी छोटेलाल का पुत्र है। बताया जा रहा है कि वह हड़हा बाजार स्थित देशी शराब की दुकान से शराब खरीद कर बाजार परिसर में बैठकर पी रहा था। उसी दौरान गांव के दो अन्य युवक भी वहां शराब पी रहे थे। किसी बात को लेकर तीनों में कहासुनी हो गई और देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। इसी दौरान एक युवक ने सरवन के पेट में चाकू घोंप दिया।

हमले के बाद सरवन चीखते हुए जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों हमलावर फरार हो चुके थे। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची अचलगंज पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कार्यवाहक थाना प्रभारी धीरेंद्र यादव ने बताया कि हमलावर तिघरा गांव के ही दो युवक बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। घायल के पिता छोटेलाल ने चंदन और सुनील के खिलाफ तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सीता स्वयंबर की कथा का भक्तों को कराया रसपान

अमन लेखनी समाचार



फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला शास्त्रीनगर में बुधवार से चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन रविवार को कथावाचक आचार्य रामनिवास द्विवेदी ने सीता स्वयंवर की कथा का प्रसंग श्रवण कराया। कथा का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए स्वयंवर का आयोजन किया था, जिसमें भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी गई थी। देश-विदेश के अनेक राजा-महाराजा धनुष को हिला तक नहीं सके। अंत में भगवान श्रीराम ने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से धनुष उठाकर उसकी प्रत्यंचा चढ़ाई, जिससे धनुष खंडित हो गया। इसके बाद माता सीता ने श्रीराम के गले में वरमाला डालकर उन्हें पति रूप में स्वीकार किया। आचार्य ने कहा कि सीता स्वयंवर का प्रसंग मयार्दा, विनम्रता और ईश्वर की कृपा का संदेश देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को कथा के प्रसंगों के माध्यम से भक्ति, संस्कार और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में लीन रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा प्रशासक शकुन सिंह , कुश सिंह , वीर विक्रम सिंह, सीमा सिंह, अरुण शंकर शुक्ला (अन्ना), वरुण शंकर शुक्ला, दिलीप सिंह, पवन सिंह, सौरभ, जितेंद्र सिंह, कृष्णपाल प्रजापति, अनुराग सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बीमार पति को खाना लेकर जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत, बेटा-पोता घायल

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा और पोता घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक जबरेला गांव के मजरे मोहन खेड़ा निवासिनी 62 वर्षीय चंद्रेश कुमारी के पति कृष्णपाल बीमार हैं और कालूखेड़ा स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती हैं। शनिवार शाम करीब 9 बजे चंद्रेश कुमारी अपने पुत्र सुधाकर और पोते सुभाष के साथ बाइक से पति को खाना देने और देखने जा रही थीं।तीनों जैसे ही मोहनलालगंज-मौरावां मार्ग पर पहासा मोड़ के पास गुप्ता भट्ठे के करीब पहुंचे, तभी कालूखेड़ा की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिर पड़े। चंद्रेश कुमारी गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गईं, जबकि वाहन चालक मौके से भाग निकला।राहगीरों ने तीनों को कालूखेड़ा स्थित कल्प हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रेश कुमारी को मृत घोषित कर दिया। सुधाकर और सुभाष का इलाज चल रहा है।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष प्रभारी फुल सिंह ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो कारों के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में एक दर्जन घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा गंज मुरादाबाद में दो कारों के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में एक दर्जन यात्री जख्मी हो गए। सभी घायलों को बांगरमऊ और गंज मुरादाबाद सीएचसी पर भर्ती कराया गया। जहां से हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद करीब आधा घंटा तक मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हरदोई जनपद के थाना शाहाबाद के गांव अंतौरा से एक परिवार रिश्तेदारों के साथ कार पर सवार होकर हरदोई जनपद के ही गांव परमी फुलई निवासी हर्षित पुत्र रजयपाल के घर दिवाई कार्यक्रम में जा रहा था। रविवार को शाम करीब 5:30 बजे क्षेत्र के कस्बा गंजमुरादाबाद में हरदोई-उन्नाव मार्ग पर उनकी कार की सामने से आ रही दूसरी कार से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में सवार अर्पित पुत्र राजकुमार निवासी अंतौरा हरदोई, मंजू पत्नी राजकुमार, प्रेमादेवी पत्नी रामबिलास, रामदेवी पत्नी रामदुलारे, रीता पत्नी सुबोध पाल, जितेंद्र पुत्र सुन्दरलाल, सतेंद्र पुत्र सुन्दरलाल बुरी तरह जख्मी हो गए। जिन्हें आनन-फानन गंज मुरादाबाद सीएचसी मे भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी कार मे सवार तारिक पुत्र मुश्तक निवासी ग्राम सैता थाना फतेहपुर 84 व गुफरान पुत्र अतीक निवासी ग्राम रहुला थाना बिलग्राम जिला हरदोई सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को यहां के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां के चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर बताकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गंज मुरादाबाद चौकी पुलिस द्वारा वाहनों का रेस्क्यू किए जाने के दौरान काफी देर तक यातायात प्रभावित हुआ।

जबरन जमीन पर करा रहे निर्माण जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के ग्राम भदेवरा - भगवंतनगर निवासी सूर्य कुमार तिवारी ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनके पूर्वजों की पैतृक भूमि भदेवरा गांव में ही गाटा संख्या 688, रकबा 0.7880 भूमि स्थित है। पीड़ित का आरोप है कि इसी भूमि पर गांव के ही अजय उर्फ अंशू, विनय, शुभम पुत्रगण रवीन्द्र नाथ और रजनी उर्फ ममता पत्नी अमित कुमार उर्फ मुन्ना जबरन आवास का निर्माण करा रहे हैं। जब इसका विरोध किया गया, तो आरोपियों ने गंदी-गंदी गालियां दीं, हाथापाई की और जान से मारने की धमकी दी गयी । थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं

विचाराधीन मुकदमा में सुलह करने दबाव दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रखमापुर निवासी सोहन उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। इस संबंध में थाना बिहार में मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसके बाद आरोपी सोहनलाल जेल गया था और करीब 8 माह बाद जेल से छूटकर आया था। पीड़ित पिता का आरोप है कि बीती 8 नवंबर 2026 (दीपावली के दिन) सोहनलाल, उसकी बहन और एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर आए। उन्होंने दर्ज मुकदमा वापस लेने और सुलह करने का दबाव बनाया। साथ ही धमकी दी कि यदि सुलह नहीं की, तो वे लड़की की शादी नहीं होने देंगे और सुलह करने पर जान से मार डालेंगे। आरोपियों ने गंदी गालियां दीं और धमकी देकर चले गए। बिहार थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

भूमि का बैनामा होने के बाद कब्जा करने गए भूमि स्वामी के साथ मारपीट

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बैनामे के बाद कब्जा करने गए भूमि मालिक व ट्रैक्टर मालिक के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। शहर के डी.एस.एन. कॉलेज रोड के पास के निवासी आर्तिमान सिंह ने दिनांक 13 नवम्बर 2026 को अरुण कुमार द्विवेदी पुत्र स्व. प्रेमशंकर द्विवेदी आदि से ग्राम परौरी चन्द्रिकाबक्श थाना बारा स्थित कई गाटा नंबरों (गाटा सं. 278, 284अ, 307, 309, 311, 282, 284, 290) का 1/2 भाग बैनामा कराया था। आर्तिमान सिंह का कहना है कि इस जमीन का कायदे से सरकारी बंटवारा भी हो चुका है। तहरीर के मुताबिक, दिनांक 14 नवंबर की सुबह जब वह अपनी उक्त जमीन पर गया, तो वहां अवधेश कुमार द्विवेदी, अमित कुमार दुबे और बबली द्विवेदी निवासी ग्राम परौरी चन्द्रिका बक्श खेड़ा आए और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर उक्त लोगों ने खेत पर मौजूद उसके रिश्तेदार समर बहादुर सिंह निवासी तेज सिंह खेड़ा को लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इसके साथ ही, अंकित सिंह के ट्रैक्टर को भी लाठी-डंडों से तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच उपनिरीक्षक मेहताब सिंह को सौंपी गई है।

छठ पर्व पर 16 नवंबर को जनपद में रहेगा स्थानीय अवकाश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। छठ पर्व के अवसर पर सोमवार 16 नवंबर को जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने 19 अक्टूबर के पूर्व निर्धारित स्थानीय अवकाश के स्थान पर यह अवकाश घोषित किया है। इस दौरान सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे।जिलाधिकारी ने रविवार दोपहर यह आदेश जारी किया। पहले जिले में 19 अक्टूबर 2026 को दशहरा महाष्टमी के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था। शासन के सामान्य प्रशासन अनुभाग ने 17 नवंबर 2025 को वर्ष 2026 के निर्बन्धित अवकाशों की सूची जारी की थी, जिसके आधार पर 19 अक्टूबर का अवकाश तय हुआ था।बाद में शासन ने 16 अक्टूबर 2026 को जारी विज्ञप्ति में 19 अक्टूबर को दशहरा महाष्टमी का सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया। इसके चलते जिलाधिकारी ने 19 अक्टूबर का स्थानीय अवकाश निरस्त करते हुए 16 नवंबर को छठ पर्व का स्थानीय अवकाश घोषित किया है।आदेश में कहा गया है कि यदि शासन द्वारा छठ पर्व पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है तो जिलाधिकारी का यह स्थानीय अवकाश का आदेश स्वतः लागू नहीं माना जाएगा।

सन्दिग्ध परिस्तिथियों मे मजदूर ने फांसी लगाकर दी जान

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के गांव मदारीखेड़ा निवासी राहुल 24 वर्ष पुत्र स्व दिनेश रविवार शाम घर के अंदर कमरे मे जंगले मे दुपट्टे से फंदा लगा लिया। परिजन घर के बाहर थे। जब घर के अंदर पहुंचे तो फंदे से लटका देख बेहाल हो गये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर देर शाम तक शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा। राहुल की शादी तीन वर्ष पूर्व मोनिका के साथ हुई थी। घर का अकेला था। राहुल की मौत से मां चंदावती और बहन रोली बेहाल हैं।थानाध्यक्ष फूल सिंह ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज जांच की जा रही हैं।

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

जनजातीय गौरव दिवस : राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक



जनजातीय गौरव दिवस

विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री
(छत्तीसगढ़)

भारत की पहचान हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों से है। इस महान सांस्कृतिक विरासत को संजोने में हमारा जनजातीय समाज सदैव अग्रणी रहा है। हमारी जनजातीय परंपराओं के प्रति सम्मान है, सामाजिक समरसता और अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम है। जनजातीय गौरव दिवस केवल महान नायकों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के समग्र योगदान को सम्मान देने का दिन है।

इस गौरवशाली परंपरा में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का नाम विशेष आदर के साथ लिया जाता है। भगवान बिरसा मुंडा सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक अस्मिता के ध्वजवाहक रहे हैं। उन्होंने अल्पायु में ही ब्रिटिश शासन की शोषणकारी नीतियों और मतांतरण के खिलाफ आवाज उठाई। वर्ष 1899 में उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ उलगुलान अर्थात महाविद्रोह केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष नहीं था। वह जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के परंपरागत अधिकारों, स्वाभिमान और सम्मान की लड़ाई भी थी। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना बलिदान दिया, उनके विचार आज भी देश को प्रेरित कर रहे हैं। हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

> **हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।**



इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया है। पीएम–जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं जनजातीय परिवारों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। पीएम जनमन योजना से छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियों के 56 हजार 569 परिवार और धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6 हजार 691 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनाने में हमारे जनजातीय समाज के भाई–बहनों का बड़ा आशीर्वाद रहा। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में मोदी जी की गारंटी पर भरोसा करते हुए जनता ने भाजपा को सरकार बनाई और जनजातीय समाज के साधारण कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला।

माओवाद का सबसे अधिक दंश जनजातीय समाज ने झेला है। दुर्भाग्य से कई दशकों तक देश में राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस हिंसक विचारधारा को समाप्त करने के लिये प्रभावी कदम नहीं उठाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाहजी ने माओवाद के विरुद्ध जिस तरह दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई उससे आज देश वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में सफल हुआ है। इसका सर्वाधिक लाभ जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के रूप में देखने को मिल रहा है। एक समय था जब बस्तर के अनेक गांव नक्सल हिंसा के कारण विकास से दूर रह गए थे। सड़कें नहीं थीं, स्कूल बंद थे और लोगों को सामान्य सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ता था। आज बस्तर में बदलाव का नया दौर शुरू हुआ है। नियद नेल्लानार एवं बस्तर मुन्ने जैसी पहल के माध्यम से दूरस्थ गांवों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री जी के करकमलों से नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक–सह–जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन हुआ। यह संग्रहालय हमारे पूर्वजों के संघर्ष, साहस और बलिदान की जीवंत गाथा है। जनजातीय समाज के साथ हमारे प्रधानमंत्री जी की आत्मीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस बार दीपावली जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में जवानों के बीच मनाई।

मैंने जनजातीय समाज के संघर्ष को भी करीब से देखा है। वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़कर मुझे राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा मिली। वनवासी समाज के लोग सरल–सहज होते हैं, कई बार देशविरोधी ताकतें इसका फायदा उठाती हैं। भगवान बिरसा मुंडा मतांतरण जैसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध प्रेरणापुंज हैं। उनकी प्रेरणा से ही मैं स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी के नेतृत्व में मतांतरण के विरुद्ध अभियान का हिस्सा बना। छत्तीसगढ़ भांचा राम का ननिहाल है। माता शबरी के जूठे बेर चखे भगवान राम ने वनवास के दौरान खाए। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू कर लोगों को रामलला के जन्मस्थली अयोध्या धाम की यात्रा को आसान बनाया।

आज हमारा दायित्व है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और समान अवसरों के माध्यम से साकार करें। मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के समावेशी विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। यही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रदूषण के कारकों पर लगानी होगी लगाम !



स्वतंत्र पत्रकार

शहरों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न तो हमें शुद्ध हवा मिल पा रही है और न ही शुद्ध पानी। हालात ऐसे हो गए हैं कि देश के कई बड़े शहरों में लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह जाम, हवा में घुला और जहरीला धुआं अब आम बात हो गई है। सवाल यह है कि आखिर शहरों को इस खतरनाक स्थिति से कैसे बचाया जाए? दरअसल, प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सड़कों चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से नहीं होगा। हर घर में दो-दो गाड़ियां हैं, लेकिन सड़कें और सुविधाएं पहले जैसी ही हैं। जुबह और शाम एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं। इससे जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोगों को सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प दिए जाएं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। यदि बाजार, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं घर के आसपास उपलब्ध हों तो छोटी-छोटी जरूरतों के लिए वाहन निकालने की मजबूरी भी कम होगी। इसके साथ ही सार्वजनिक परिवहन को भी बेहतर और सस्ता बनाना होगा। इसके लिए सड़कों पर ज्यादा से ज्यादा बसें चलानी होंगी। बसों के अलावा मेट्रो, ट्राम और पारंपरिक साधनों को भी बढ़ावा देना होगा। इसके साथ ही सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की भी जरूरत है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा, निजी वाहनों के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए कुछ कड़े फैसले भी लेने होंगे। उदाहरण के लिए, सम-विषम योजना को और प्रभावी बनाया जा सकता है। कुछ शहरों में पार्किंग शुल्क बढ़ाने और कुछ इलाकों में निजी वाहनों के प्रवेश पर शुल्क लगाने जैसे उपायों पर भी विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, हमें अपनी जीवनशैली में भी बदलाव लाने की जरूरत है। हमें यह समझना होगा कि हर छोटी यात्रा के लिए वाहन का इस्तेमाल करना न तो जरूरी है और न ही फायदेमंद। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

> पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। घटनाओं के इंस्टेंसाल पर भी सख्ती जरूरी है।

दूसरी ओर, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। एनसीआर में हर साल सर्दियों के मौसम में प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे पराली जलाना, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना और पटाखे जैसे कई कारण हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। दीवाली के मौके पर पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है। हाल के वर्षों में दिल्ली में पटाखों को लेकर बिना छूट का अवसर हवा को गुणवत्ता पर दिखाई दिया। इससे अलावा कई इलाकों में खुलेआम बिक्री और इस्तेमाल जारी रहा। रात के अंधेरे में होने वाली ऐसी गतिविधियों से निपटने के लिए जहरीली हवा तोनों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। स्थानीय पुलिस प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों, एनजीटी और अदालतों को मिलकर ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए। इसी तरह लगातार हो रहे निर्माण कार्यों पर भी नियंत्रण जरूरी है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। खासकर प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील महीनों में अनावश्यक निर्माण गतिविधियों पर रोक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़कों और शहरों में अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। पौधे लगाने के सिर्फ फोटोशूट और हरित क्षेत्र विकसित करने के भी प्रयासों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है, लेकिन आम लोगों को इसके प्रति और जागरूक करने की जरूरत है। सार्वजनिक और अन्य सुविधाओं का साझा आधार से मिलना चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को इतना सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी वाहन छोड़ने के लिए खुद तैयार हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदूषण से लड़ाई केवल सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती। केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, लेकिन नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, कचरा नहीं जलाना, पानी को बर्बाद नहीं करना, पेड़ लगाना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल होना चाहिए। प्रदूषण के कारणों को पहचान करना और उस पर काबू रखने उसमें रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। अब स्पष्ट हवा और साफ पानी दिल्ली सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

जनजातीय समाज के सम्मान से ही सशक्त भारत



जनजातीय गौरव दिवस

कमलवीर सिंह

जल, जंगल और जमीन की रक्षा से लेकर सामाजिक जागरण और राष्ट्र के स्वाभिमान तक, भगवान बिरसा मुंडा का जीवन भारतीय इतिहास को ऐसी प्रेरणाधारा है, जो आज भी देश को दिशा दिखाती है। भारत की अस्मिता और संस्कृति की जड़ें जितनी प्राचीन हैं, उतनी ही समृद्ध हमारी जनजातीय परंपरा भी है। भारतीय इतिहास में जनजातीय समाज का योगदान केवल अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की स्वतंत्रता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुर्भाग्यवश, इतिहास के अनेक पन्नों में इन महानायकों के साहस और बलिदान को वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे वास्तविक रूप से हकदार थे। इसी ऐतिहासिक कोलाहल को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान दिलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जनजातीय गौरव दिवस, जिसे प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2021 में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह दिन केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि देश के करोड़ों जनजातीय नागरिकों के स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव को नमन करने का दिन है।

15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा का जीवन असाधारण साहस और अदम्य संकल्प की मिसाल है। उनके पिता सुगना मुंडा और माता करमी हातू ने आर्थिक कठिनाइयों के बीच उनका पालन-पोषण किया। बचपन से ही तुलनात्मक बुद्धि और सामाजिक चेतना से संपन्न बिरसा मुंडा ने बहुत कम उम्र में यह समझ लिया था कि आदिवासी समाज की असली लड़ाई उनकी जमीन, संस्कृति और पारंपरिक अधिकारों पर संगठित शोषण के खिलाफ है।

उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित किया, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और शिक्षा, स्वच्छता, नैतिकता तथा सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। उनके अनुयायी उन्हें श्रद्धा से 'धरती आबा' अर्थात धरती के पिता कहकर पुकारते हैं। यह संबोधन उनके प्रति केवल आदर का प्रतीक नहीं, बल्कि अपनी धरती और समाज के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है।

'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' अर्थात हमारा देश, हमारा राज एक ऐसा विचार अभिव्यक्ति स्वतंत्रता, अधिकार और आत्मसम्मान की भावना का प्रतीक बन गया। यह आंदोलन केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह नहीं था, बल्कि अपनी पहचान, परंपरा, सामाजिक व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार की लड़ाई भी था। अंततः 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जीवन भले ही छोटा रहा, लेकिन उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया। उनके आंदोलन के बाद अधिकारों और अधिकारों के उल्लंघन की दिशा में महत्वपूर्ण कानूनी सुधार हुए। 1908 का



छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम इसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण परिणाम था। छत्तीसगढ़ की धरती में जनजातीय गौरव और बलिदान की अनेक गाथाओं की साक्षी रही है। वीर नारायण सिंह और शहीद गुंडाधुर जैसे जननायकों ने अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष कर आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और स्वाभिमान की मिसाल छोड़ी है।

बस्तर की वीरभद्रही परंपराओं से लेकर सरगुजा की सांस्कृतिक विविधता तक, जनजातीय समाज ने अपनी पहचान और विरासत को जीवित रखा है। उनके पर्व, परंपराएं, सामुदायिक जीवन और प्रकृति के प्रति सम्मान हमें विकास का एक ऐसा दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलती हैं। आज आवश्यकता है कि जनजातीय समाज को इस समृद्ध विरासत को केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, लोक, प्रशासन, कला और नीतिगत निर्णयों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए।

जनजातीय गौरव दिवस हमें अतीत के महिमामंडन को याद करने के साथ-साथ जागरूक और जिम्मेदार होने का भी एहसास कराता है। किसी समाज का वास्तविक सम्मान तभी संभव है, जब उसे समान अवसर, बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो।

आज जनजातीय क्षेत्रों में विकास को योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, वन अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय युवाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़ना तथा जनजातीय भाषाओं और परंपराओं का संरक्षण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

वर्तमान में मोदी सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और विकास, दोनों क्षेत्रों में अपने संकल्प के अनुरूप प्रयास कर रही है। आज देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे समय में केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि विकास की इस यात्रा में जनजातीय समाज को भागीदारी केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार के रूप में हो। जनजातीय समाज के युवाओं को शिक्षा, खेल, तकनीक, उद्यमिता, प्रशासन और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। साथ ही, जनजातीय महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक भागीदारी को भी मजबूती मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का 1 नवंबर 2025 को उद्घाटन भी इसी ऐतिहासिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह संग्रहालय उन अनेक जनजातीय नायकों के बलिदान को सामने लाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए उग्र दिया।

निश्चित रूप से, जनजातीय समाज का सम्मान केवल अतीत के बलिदानों को याद करने से नहीं, बल्कि वर्तमान में उनके अधिकारों की रक्षा और भविष्य में उनके सपनों को साकार करने से होगा।

यह हम सभी भारतीयों का दायित्व है कि जनजातीय गौरव दिवस पर हम ऐसा संकल्प लेकर जाएं कि विकास के साथ विरासत सुरक्षित रहे, आधुनिकता के साथ संस्कृति जीवित रहे और हर जनजातीय नागरिक को सम्मान, समान अवसर और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ने का अधिकार मिले।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यही संदेश देता है—अपनी धरती से जुड़े रहिए, अपनी संस्कृति पर गर्व कीजिए और अपने अधिकारों एवं स्वाभिमान के लिए सजग रहिए।

जय धरती आबा!

जनजातीय खेल प्रतिभाओं को मिल रही नई पहचान



जनजातीय गौरव दिवस

अरुण साव

बस्तर के घने जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं का अपार भंडार है। यहां के युवाओं में साहस, जीवटता, शारीरिक क्षमता और खेल की अद्भुत समझ है। अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्हें उचित प्रशिक्षण और खेल सुविधाओं के अभाव में अपनी क्षमता साबित करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता। इन प्रतिभाओं को पहचान और आगे बढ़ने का मंच देना छत्तीसगढ़ के खेल विकास की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रदेश के वनवासी युवाओं को विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय खिलाड़ियों को ग्रामीण प्रतियोगिताओं से लेकर राष्ट्रीय खेल मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है।

किसी खिलाड़ी की प्रतिभा उसकी सामाजिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसके प्रशिक्षण और परिश्रम से आंकी जानी चाहिए। इसी सोच के साथ जनजातीय अंचलों में खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का विस्तार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग के लिए 22 करोड़ 54 लाख रुपए का प्रावधान है। इसमें बस्तर और सरगुजा ओलंपिक के लिए पांच-पांच करोड़ रुपए, बस्तर खेल अकादमी के लिए छह करोड़ रुपए तथा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए दो करोड़ 60 लाख रुपए शामिल हैं। युवा कल्याण गतिविधियों और राज्य युवा उत्सव के लिए भी दो-दो करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

जनजातीय खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में नियमित अभ्यास, प्रशिक्षित मार्गदर्शन और उपयुक्त खेल मैदानों की उपलब्धता शामिल है। इन अभावग्रस्त क्षेत्रों में प्रतिभा को निखारने के लिए 35 करोड़ 32 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृतियां दी गई हैं। सरगुजा में उच्चस्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम, कांकेर के शिकारपाट और गरियाबंद में जिला स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम तथा जशपुर में फुटबॉल स्टेडियम विकसित किए जाएंगे। जशपुर में तीरंदाजी अकादमी के लिए 16 करोड़ रुपए का कार्यादेश जारी किया गया है। बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इन सुविधाओं के विकसित होने से जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमता निखारने और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

जनजातीय खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें प्रतिस्पर्धा का अवसर देने की दृष्टि से बस्तर ओलंपिक एक महत्वपूर्ण पहल है। बस्तर संभाग के सात जिलों में 11 खेल विधाओं के अंतर्गत विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में दूरस्थ गांवों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिला है। जो खिलाड़ी इन खेल आयोजनों तक अपनी से नहीं पहुंच पाते, उन्हें अपने क्षेत्र से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। छात्रसंघों की नवरंग मोदी जी ने भी 'मन की बात' में बस्तर ओलंपिक का उल्लेख अनूठे ओलंपिक के रूप में किया है। इसी तरह



सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से संभाग के छह जिलों में 12 खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इन आयोजनों की वास्तविक उपलब्धि केवल विजेता चुनना नहीं, बल्कि एक प्रतिभाओं को सामने लाना है, जिनके पास हुनर तो है, लेकिन उसे प्रदर्शित करने के अवसर सीमित रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का महत्वपूर्ण अवसर पहला खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के रूप में सामने आया। देश के इस पहले आयोजन की मेजबानी प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं जनजाति समाज के लोकप्रिय जननेता श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में की। एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, मलखंभ, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती की सात खेल विधाओं ने जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का राष्ट्रीय मंच दिया। प्रदेश के खिलाड़ियों ने कुल 31 स्वर्ण, 21 रजत और 16 कांस्य पदक जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ को खेल प्रतिभाओं की खान के रूप में नई पहचान दी।

खेल जनजातीय युवाओं के जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। मैदान पर मिली सफलता उन्हें नई अवसरों से जोड़ती है। बस्तर ओलंपिक को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी और जनजातीय बहुल जिलों में खेल सुविधाओं के विस्तार की पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। हालांकि खेल अधोसंरचना का निर्माण और प्रतियोगिताओं का आयोजन आगे आना ही अंतिम लक्ष्य नहीं है। इससे वास्तविक सफलता तभी है, जब दूरस्थ गांवों का प्रतिभावान खिलाड़ी इन सुविधाओं का उपयोग कर अपने प्रदर्शन को बेहतर बना सके और बड़ी प्रतियोगिताओं तक पहुंचे।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में खेलों की संभावनाएं व्यापक हैं। इन संभावनाओं को उपलब्धियों में बदलने के लिए प्रतिभाओं की पहचान, नियमित प्रशिक्षण, बेहतर संसाधन और प्रतिस्पर्धा के अवसरों के बीच निरंतरता आवश्यक है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रयास इसी दिशा में केंद्रित हैं। हमारा उद्देश्य है कि वंचित के प्रतिभावान युवाओं को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले और वे प्रदेश, देश तथा आंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकें।

बस्तर के किसी सुदूर गांव का कोई जब राष्ट्रीय प्रतियोगिता के मैदान पर उतरता है तो सरगुजा की कोई बेटी अपनी खेल प्रतिभा से पहचान बनाती है, तो यह उपलब्धि केवल एक खिलाड़ी की नहीं होती। उसमें पूरे जनजातीय समाज की आकांक्षाएं और आगे आने वाली पीढ़ियों के सपने शामिल होते हैं। इन्हीं सपनों को अवसर, प्रशिक्षण और मजबूत आधार देना हमारी प्राथमिकता है। खिलाड़ियों की प्रतिभाओं का आगे बढ़ना ही छत्तीसगढ़ के खेल भविष्य की असली सही ताकत बनेगा। इसी मजबूती मिले इस दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में हमारी सरकार पूरी ताकत से कार्य कर रही है।

संक्षेप

इस साल का पहला घना कोहरा छाया

दृश्यता कम हुई, तापमान 20 डिग्री पहुँचा; वाहन चालक फॉग लाइट और हॉर्न के सहारे चल रहे

अमेठी , इस साल का पहला घना कोहरा छाया है। इससे दृश्यता कम हुई और तापमान गिरकर 20 डिग्री तक पहुंच गया। वाहन चालक फॉग लाइट जलाकर और हॉर्न बजाकर धीरे-धीरे चल रहे हैं। पिछले कई दिनों से मौसम बदल रहा था। सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस हो रही थी। सोमवार सुबह से जिले में घना कोहरा छाया है और दूर तक साफ दिखाई नहीं दे रहा। कोहरे के कारण सड़कों और हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। कम दृश्यता के चलते लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। तापमान गिरने के बाद लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं। सुबह की सैर पर जाने वाले लोगों की संख्या भी कम हुई है। किसानों के लिए कोहरा फायदेमंद और नुकसानदायक, दोनों हो सकता है। हल्का कोहरा गेहूं और सरसों की फसल के लिए अच्छा माना जाता है, जबकि ज्यादा कोहरा फसलों को नुकसान पहुंचा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में कोहरा और बढ़ सकता है और ठंड में इजाफा हो सकता है। लोगों को सुबह-शाम सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

पराली जलाने पर तीन किसानों पर जुर्माना

अमेठी में जांच के दौरान तीन गांवों में दोषी मिले, प्रत्येक पर 10 हजार फाइन

अमेठी, पराली जलाने के मामलों में तीन किसानों पर कुल 30 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। यह कार्रवाई गौरीगंज तहसील के पचेहरी, अन्नी बैजल और डेबरा गांवों में की गई। उपजिलाधिकारी गौरीगंज दिशा श्रीवास्तव ने बताया कि 13 नवंबर 2026 को पराली जलाने की शिकायतों पर गांवों में जांच कराई गई थी। जांच में पचेहरी में पराली जलाने की पुष्टि हुई। इसके बाद शिव बहादुर यादव पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। अन्नी बैजल में अशोक कुमार सिंह और डेबरा में जगदीश प्रसाद पर भी 10-10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। तीनों मामलों में कुल जुमार्ना 30 हजार रुपये है। दिशा श्रीवास्तव ने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर असर पड़ता है। प्रशासन इन घटनाओं पर लगातार नजर रख रहा है। गांवों में डुग्गी-मुनादी के जरिए किसानों को पराली न जलाने और फसल अवशेषों का सही प्रबंधन करने की अपील की गई है।

दुकानों के कब्जे से बस स्टॉप पर जाम

रजिस्ट्री ऑफिस के सामने सड़क तक दुकानें, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की

अमेठी , अंबेडकर तिराहा बस स्टॉप पर रजिस्ट्री ऑफिस के सामने सड़क तक दुकानें लगने से रोज जाम लग रहा है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और यातायात पुलिस से सड़क खाली कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, रजिस्ट्री ऑफिस के बाहर रोज सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़े होते हैं।

एग्जामनाथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

ब्लॉक सभागार कैसरगंज में आयोजित हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

तीनों वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को मिला सम्मान

अमन लेखनी समाचार



कैसरगंज, बहराइच। ब्लॉक सभागार कैसरगंज में रविवार को एग्जामनाथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2026 का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास एवं कोशिश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 20 सितंबर को किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह विसेन एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि संदीप सिंह विसेन ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए एग्जामनाथ के डायरेक्टर शेखर श्रीवास्तव को बधाई दी। अध्यक्षता कर रहे डॉ. देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में पढ़ाई और सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाते हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने में इन प्रतियोगिताओं की अहम भूमिका है। विशिष्ट अतिथि रसल रघुवंशी ने कहा कि शेखर श्रीवास्तव शिक्षक एवं लेखक के रूप में हमेशा बच्चों के हित में कार्य करते हैं। राज्य पुरस्कार विजेता पूरनलाल चौधरी ने भी आयोजक के प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्राइमरी वर्ग में देव प्रताप सिंह प्रथम, समर वर्मा द्वितीय एवं अक्षया शुक्ला तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग में आशुतोष विश्वकर्मा प्रथम, राम बहादुर यादव द्वितीय एवं आभास मौर्य तृतीय रहे। वहीं सीनियर वर्ग में धर्मराज प्रथम, राजेश यादव द्वितीय एवं आशु सिंह तृतीय स्थान पर रहे। इस दौरान एग्जामनाथ के डायरेक्टर शेखर श्रीवास्तव ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। साथ ही विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवनाथ गौतम ने किया। इस अवसर पर क्षेत्र के शिक्षक, गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी एवं अभिभावक मौजूद रहे।

मारपीट के आठ दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं

घायल मां-बेटी ने शनिवार शाम कैसरगंज सीओ डीके श्रीवास्तव से मिलकर शिकायत की

अमन लेखनी समाचार



फखरपुर, बहराइच। थाना क्षेत्र के परशुरामपुर गांव में 6 नवंबर को मारपीट हुई थी। महिला किस्मत जहां ने मौजूदा ग्राम प्रधान राजू पुत्र आबिद खां, वाहिद खां और नाजमीन बेगम पर अपने, पति इसरारूल हक और बेटी रहीमा शेख के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया। रहीमा शेख के मुताबिक, मारपीट में उनकी मां का हाथ फ्रैक्चर हुआ और सिर में चोट आई। उनका अपना पैर भी फ्रैक्चर हुआ है। परिवार ने फखरपुर पुलिस पर गंभीर चोटों के बावजूद 115(2), 352, 351(3) तीन धाराओं में केस दर्ज करने और आठ दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं करने का आरोप लगाया। परिवार का कहना है कि उन पर केस वापस लेने का दबाव बनाया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। परिवार ने 14 वर्षीय बेटी के साथ रास्ते में छेड़खानी और झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप भी लगाया। सीओ कैसरगंज डीके श्रीवास्तव ने बताया कि महिला की मदद की जा रही है। उन्होंने कहा कि चोटें गंभीर हैं और वीडियो में भी दिखाई दे रही हैं। सीओ ने जांच अधिकारी को धाराएं बढ़ाने और आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। परिवार ने निष्पक्ष जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की है।

छठ पूजा को लेकर पुलिस सतर्क, गांधी घाट भकला पर थाना प्रभारी ने किया सुरक्षा निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना फखरपुर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई। रविवार को थाना प्रभारी रामकुमार राजभर ने पुलिस टीम के साथ भकला स्थित गांधी घाट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।



इस दौरान उन्होंने घाट पर छठ पूजा की तैयारियों, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आवागमन की व्यवस्था का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी ने छठ पूजा के महत्व और श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए घाट पर आने वाले व्रतधारियों एवं उनके परिजनों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान चौकी प्रभारी सर्वजीत गुप्ता, हेड कांस्टेबल प्रमोद सिंह, कांस्टेबल अजय सिंह, गौरव सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

खेत में ट्रैक्टर ले जाने को लेकर विवाद, दो लोगों पर लाठी-डंडे व धारदार हथियार से हमला

सुकई और अनिल घायल, पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज, पुलिस कर रही विधिक कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार



शिवपुर, बहराइच। जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अलीनगर में खेत में ट्रैक्टर ले जाने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि उलाहना देने पहुंचे दो लोगों पर विपक्षी पक्ष ने लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया। मारपीट की घटना में दो लोग घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार 15 नवंबर 2026 को सुकई मौर्य पुत्र सांवली तथा अनिल कुमार पुत्र सिकई निवासी ग्राम अलीनगर के खेत में विपक्षी पक्ष का ट्रैक्टर जाने को लेकर विवाद हो गया। इसी बात को लेकर दोनों लोग मीरा पत्नी मोहन मौर्य, शिवम मौर्य एवं सत्यम मौर्य पुत्रगण मोहन के घर उलाहना देने पहुंचे थे। आरोप है कि इसी दौरान विपक्षी पक्ष के लोगों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों एवं धारदार हथियार से हमला कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। हमले में सुकई मौर्य और अनिल कुमार को चोटें आईं। घटना की सूचना मिलने पर खैरीघाट पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। एसएचओ खैरीघाट ने बताया कि प्रकरण में आवश्यक विधिक कार्रवाही की जा रही है।

मकान गिराने का भाजपा नेता पर आरोप

कब्जे की कोशिश और धमकी देने का आरोप, चहारदीवारी गिराई

अमन लेखनी समाचार



सुल्तानपुर , एक व्यक्ति ने भाजपा नेता अखिलेश तिवारी और शहबाज पर जेसीबी से उसका मकान और चहारदीवारी गिरवाने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर उसे गाली दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे उसने कुड़वार थानाध्यक्ष को शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है।

1999 में कराया था मकान का बैनामा

शिकायत के मुताबिक, कुड़वार थाना क्षेत्र के बहलोपुर के रहने वाले चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि उनके पिता ब्रह्मानंद तिवारी ने 15 नवंबर 1999 को सदर सुल्तानपुर के सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में कुड़वार की आबादी संख्या 1607 पर स्थित मकान का बैनामा कराया था। उनका कहना है कि तब से उनका परिवार मकान पर काबिज है।

जेसीबी से मकान और चहारदीवारी गिराने का आरोप

चंद्रशेखर का आरोप है कि 14 नवंबर की रात अखिलेश तिवारी पुत्र स्वर्गीय दुर्गा प्रसाद तिवारी, निवासी सोहगौली, थाना कुड़वार और शहबाज पुत्र अज्ञात, निवासी प्यारेपट्टी लोलेपुर, थाना कोतवाली नगर ने जेसीबी मंगवाकर उनका मकान और चहारदीवारी गिरवा दी। शिकायत में कहा गया है कि विरोध करने पर उन्हें गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि दोनों ने मकान पर कब्जा करने की भी कोशिश की। वहीं, अखिलेश तिवारी ने खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया है।

प्रेम-संबंध के बाद महिला को घर से निकालने का आरोप

महिला ने सीओ से मिलकर मांगा न्याय और सुरक्षा; बोली- खाने का इंतजाम करने के लिए बेचनी पड़ी पायल

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , करीब 10-11 साल तक प्रेम संबंध में रहने के बाद एक महिला को उसके प्रेमी और परिजनों द्वारा कथित तौर पर घर से निकालने का मामला सामने आया है। महिला पिछले 10 दिनों से कभी अमेठी रेलवे स्टेशन तो कभी सड़कों पर रात गुजार रही है। शनिवार को उसने तहसील परिसर में सीओ श्वेताभ भास्कर से मुलाकात कर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई। महिला का आरोप है कि युवक ने शादी का भरोसा देकर पहले उसे बनारस में अपने साथ रखा। इसके बाद वह उसे अपने घर ले आया। दोनों करीब एक दशक तक साथ रहे। इसी दौरान महिला को पता चला कि युवक ने कथित तौर पर चोरी-छिपे दूसरी शादी कर ली है। इसके बाद उसने महिला को साथ रखने से इनकार कर दिया।



विरोध करने पर घर से निकालने का आरोप

महिला के मुताबिक, जब उसने इस बात का विरोध किया तो युवक के परिजनों ने भी उसका साथ नहीं दिया। आरोप है कि उसे घर से निकाल दिया गया और उसके कपड़े भी छीन लिए गए। इसके बाद से वह रहने और खाने-पीने के लिए परेशान है।

पायल बेचकर किया खाने का इंतजाम

महिला ने बताया कि पिछले 10 दिनों से वह रेलवे स्टेशन और सड़कों पर रात बिताने को मजबूर है। खाने-पीने का इंतजाम करने के लिए उसे अपनी पायल तक बेचनी पड़ी। उसका कहना है कि उसने पहले संग्रामपुर थाने में शिकायत की थी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सीओ ने जांच का दिया भरोसा

शनिवार को महिला ने तहसील परिसर में सीओ श्वेताभ भास्कर को प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। सीओ ने बताया कि महिला का प्रार्थना पत्र मिला है। दोनों पक्षों को बुलाकर मामले की जांच की जाएगी। जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना-2027 में लोग खुद भर सकेंगे परिवार की जानकारी

अलीगढ़ डीएम ने दी जानकारी, 1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक

अमन लेखनी समाचार



अलीगढ़,जनगणना-2027 में इस बार लोगों को अपने परिवार और मकान की जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज करने का मौका मिलेगा। इसके लिए 16 से 30 नवंबर तक स्व-गणना की सुविधा शुरू की जाएगी। नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर जाकर घर बैठे अपना विवरण भर सकेंगे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक आईडी मिलेगी, जिसे संभालकर रखना होगा। इसके बाद 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर पहुंचकर जनगणना करेंगे। इस दौरान वे स्व-गणना में भरी गई जानकारी का सत्यापन भी करेंगे। प्रशासन ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस सुविधा से जोड़ने के लिए 15 दिन का विशेष जागरूकता अभियान तैयार किया है। हर दिन अलग-अलग विभागों और संस्थाओं के माध्यम से लोगों को स्व-गणना के लिए प्रेरित किया जाएगा।

15 दिन तक अलग-अलग थीम पर चलेगा अभियान

जिले में अभियान की शुरूआत 16 नवंबर को राजस्व एवं प्रशासन दिवस से होगी। डीएम एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अविनाश कुमार ने इसके लिए विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की जिम्मेदारियां तय की हैं। 17 नवंबर को स्थानीय निकाय एवं ग्रामीण विकास, 18 को सामुदायिक संस्थान एवं मीडिया और 19 नवंबर को सामुदायिक नेतृत्व एवं शहरी क्लस्टर दिवस मनाया जाएगा। इन दिनों मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठनों के जरिए लोगों तक जानकारी पहुंचाई जाएगी।

पुलिस, स्कूल और अस्पताल भी करेंगे जागरूक

20 नवंबर को न्यायिक दिवस के तहत न्यायपालिका और बार एसोसिएशन को जोड़ा जाएगा। 21 नवंबर को वदीधारी बल दिवस पर पुलिस, पीएसी, होमगार्ड और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी लोगों को जागरूक करेंगे। इसके बाद 22 नवंबर को बैंक, रेलवे और डाक विभाग, 23 को स्कूल-कॉलेज और 24 नवंबर को सरकारी व निजी अस्पतालों के माध्यम से अभियान चलाया जाएगा। 25 नवंबर को उद्योग एवं परिवहन दिवस और 26 को महिला एवं स्वयं सहायता समूह दिवस रहेगा। 27 नवंबर को डिजिटल एक्सेस सपोर्ट और विशेष आवश्यकता वाले लोगों पर फोकस किया जाएगा। इस दिन जनसेवा केंद्रों के माध्यम से स्व-गणना करने में मदद मिलेगी।

बीजेपी नेता पर नाबालिग से रेप की एफआईआर

कहा- शासन-प्रशासन मेरा गुलाम, मैं सबको खरीद लूंगा, तेरी कोई नहीं सुनेगा

अमन लेखनी समाचार



सुल्तानपुर , कोचिंग संचालक खिलाफ पर रेप और ब्लैकमेलिंग का केस दर्ज किया गया है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण किया। विरोध करने पर उसे स्कूल से निकलवाने और भविष्य बर्बाद करने की धमकी दी। आरोपी ने कहा- शासन-प्रशासन मेरा गुलाम है, मैं सबको खरीद लूंगा, तुम्हारी कोई नहीं सुनेगा। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने व्हाट्सएप पर दूसरी लड़की के साथ अपनी सगाई की फोटो भेजकर उसे ब्लैकमेल भी किया। पुलिस ने रविवार शाम करीब 4 बजे केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला लंभुआ कोतवाली क्षेत्र का है।

2019 में कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती थी पीड़िता

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता 2019 में इलाके के एक कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती थी। कोचिंग संचालक हरिओम अग्रहरि ने उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसने पीड़िता को स्कूल से निकलवाने और उसका भविष्य बर्बाद करने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि डर के कारण वह लंबे समय तक चुप रही। बाद में आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया।

सगाई की फोटो भेजकर ब्लैकमेल करने का आरोप

पीड़िता के मुताबिक, विरोध करने पर आरोपी ने व्हाट्सएप पर दूसरी लड़की के साथ अपनी सगाई की फोटो भेजी और उसे ब्लैकमेल किया। उसने कहा- उसकी मां मौजूदा सभासद हैं। प्रशासन उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। आरोपी ने धमकी देते हुए कहा- शासन-प्रशासन मेरा गुलाम है, मैं सबको खरीद लूंगा, तुम्हारी कोई नहीं सुनेगा।

पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रह चुका है आरोपी

बताया जा रहा है कि आरोपी सभासद प्रतिनिधि है और पहले भाजपा का मंडल अध्यक्ष रह चुका है। वह एक निजी स्कूल में पढ़ाता है और कोचिंग सेंटर भी चलाता है। उसकी हाल ही में सगाई हुई है। दिसंबर में उसकी शादी तय होने की बात भी सामने आई है। सीओ को सौंपी गई मामले की जांच लंभुआ कोतवाली में केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी लंभुआ ऋतिक कपूर को सौंपी गई है।

8.4 ग्राम एमडी के साथ आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 11 हजार 800 रुपए, आईफोन और बिना नंबर प्लेट की क्रेटा कार जब्त की

अमन लेखनी समाचार



प्रतापगढ़ , पुलिस ने 8.4 ग्राम एमडीएमए के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 11,800 रुपए नकद, एक आईफोन और बिना नंबर प्लेट की हुंडई क्रेटा कार बरामद हुई है। पुलिस ने रविवार दोपहर 3:30 बजे मामले का खुलासा किया। बिना नंबर प्लेट की क्रेटा से ला रहा था नशीला पदार्थ। पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान सूचना मिली कि प्रतापगढ़ की ओर से एक व्यक्ति बिना नंबर प्लेट की क्रेटा कार में एमडीएमए लेकर आ रहा है। सूचना पर चौकी प्रभारी एआरटीओ उपनिरीक्षक विजय त्रिवेदी और आरक्षी पवन मौर्य को मौके पर बुलाया गया। पुलिस टीम ने शुकुलपुर चौराहे के पास घेराबंदी कर कार रुकवाई और चालक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान उर्फ नान्हू (50) पुत्र कलीमउल्ला, निवासी ग्राम आममऊ ककहरा, थाना अंतू, प्रतापगढ़ के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 8.4 ग्राम एमडीएमए, 11,800 रुपए नकद और एक आईफोन मिला। पुलिस ने बरामद एमडीएमए की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई है। पट्टी क्षेत्र से खरीदकर लाता था एमडीएमए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पट्टी क्षेत्र से एमडीएमए खरीदकर लाता था। वहां एक तय जगह पर नशीला पदार्थ रखा मिलता था। वह उस जगह रुपए रखकर बिना किसी से सीधे संपर्क किए एमडीएमए ले आता था। आरोपी ने बताया कि उसे नहीं पता था कि वहां नशीला पदार्थ कौन रखकर जाता है।

पूर्व ग्राम प्रधान के बेटे की गला कसकर हत्या

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि, आत्महत्या दिखाने के लिए शव छत से लटकाया

अमन लेखनी समाचार



प्रतापगढ़ , मानधाता थाना क्षेत्र के शोभीपुर परशुरामपुर गांव में पूर्व ग्राम प्रधान के 25 साल के बेटे की हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बिजली के तार से गला कसकर हत्या करने और आत्महत्या दिखाने के लिए शव लटकाने की पुष्टि हुई है। पूर्व ग्राम प्रधान रियाजउद्दीन का छोटा बेटा मो. आरिफ उर्फ शकील शुक्रवार रात बरामदे के पास बने कमरे में सोया था। शनिवार सुबह काफी देर तक बाहर नहीं आने पर परिजनों ने आवाज लगाई। जवाब नहीं मिला तो उन्होंने दरवाजे को धक्का दिया, जो खुल गया। परिजनों के मुताबिक आरिफ कमरे में सोते समय दरवाजा अंदर से बंद रखता था। शनिवार सुबह दरवाजा खुला मिलने पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कयास है कि किसी परिचित ने विश्वास में लेकर दरवाजा खुलवाया और वारदात को अंजाम दिया होगा। हालांकि हत्या के पीछे की वजह और आरोपियों को लेकर पुलिस जांच कर रही है। कमरे में आरिफ का शव तख्त पर घुटनों के बल लटका मिला। उसका गला बिजली के तार से कसा हुआ था। पैर की अंगुली और कान के पास चोट के निशान भी थे। गले पर चारों तरफ गोल निशान देखकर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया। सूचना पर एसओ अनुपम त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर परिजनों और पुलिस के बीच नोकझोंक हुई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जांच के लिए चीजें जुटाईं। डॉक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट में तार से गला कसकर हत्या करने के बाद शव लटकाने की बात सामने आई। इसके बाद पिता रियाजउद्दीन की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया। सूचना पर एसओ अनुपम त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सूचना पर एसओ अनुपम त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आरिफ का निकाह नहीं हुआ था। उसका बड़ा भाई वकील अहमद गुजरात में ट्रक चलाता है। घटना की जानकारी मिलने पर वह घर के लिए रवाना हो गया। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा, लेकिन बड़े भाई के आने के इंतजार में अंतिम संस्कार नहीं किया गया। परिजनों के मुताबिक आरिफ कमरे में सोते समय दरवाजा अंदर से बंद रखता था। शनिवार सुबह दरवाजा खुला मिलने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

संक्षेप

युवक की चाकू से गोदकर हत्या

पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा, तलाश में तीन टीमें जुटीं

बागपत , सरूरपुर गांव में शाम कहासुनी के बाद एक युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, पड़ोसी ने युवक पर चाकू से तीन वार किए। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से आरोपी फरार है। कहासुनी के बाद घर से चाकू लाकर किया हमला पुलिस के मुताबिक, शाम करीब 5:30 बजे कपिल (25) का अपने पड़ोसी छोटू उर्फ जोगिंदर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों के बीच पहले से कोई विवाद नहीं था। कहासुनी के बाद छोटू घर गया और चाकू लेकर लौट आया। आरोप है कि उसने कपिल पर चाकू से तीन वार किए। हमले में कपिल जमीन पर गिर गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया परिजन और पुलिसकर्मी कपिल को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कपिल के पिता महेश पाल की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। उसकी गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं। पुलिस ने रात में करीब चार जगह छापे भी मारे, लेकिन आरोपी का पता नहीं चला। सीओ सुकन्या शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें अलग-अलग जगह भेजी गई हैं। बागपत के रढ पूर्णेन्दु सिंह ने पुलिस टीमों को आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भट्टा व्यापारी की हत्या में पिता-पुत्र गिरफ्तार

बागपत में पैसों के लेनदेन पर हुआ था विवाद, आरोपी दिल्ली पुलिस से रिटायर्ड है

बागपत , छपरौली थाना क्षेत्र के हलालपुर गांव में भट्टा व्यापारी संजीव की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके चाचा उदयराज और चचेरे भाई सुन्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शाम करीब 5 बजे गिरफ्तारी की जानकारी दी। तीसरा आरोपी आर्यन फरार है। पैसों के लेनदेन को लेकर हुआ था विवादपुलिस के मुताबिक, 13 नवंबर की दोपहर पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में संजीव की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। संजीव मौजूदा प्रधान सुधीर का भाई था।

पूर्व-सैनिक की सीएम से बेटे के लिए न्याय की गुहार

बोले- हत्या की साजिश में हेडमास्टर पर शक

मेरठ , आयोजित पूर्व सैनिक रैली में गाजियाबाद से एयरफोर्स के पूर्व सैनिक खजान सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में न्याय की गुहार लगाने पहुंचे। खजान सिंह एयरफोर्स में 20 साल तक देश की सेवा कर चुके हैं। उन्होंने कारगिल युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालय में शिक्षक हैं। रैली में वह मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपकर अपने बेटे आयुष प्रताप सिंह की मौत की जांच सीबीआई या सीआईडी से कराने की मांग लेकर पहुंचे थे। पूर्व सैनिक ने सीएम योगी से लगाई बेटे की हत्या की जांच की गुहार खजान सिंह का आरोप है ।

स्टेट रिव्यू मिशन टीम ने ब्लॉक बामौर की स्वास्थ्य सेवाओं का किया धरातलीय निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार



गरौठा। ब्लॉक बामौर में रविवार को स्टेट रिव्यू मिशन (रफट) की टीम ने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं का धरातलीय परीक्षण किया। टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों का निरीक्षण कर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, दवा एवं जांच व्यवस्था तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। टीम लीडर डॉ. सच्चिदानंद के नेतृत्व में डॉ. अरुण राजपूत एवं श्री काशिफ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गरौठा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करगुआ खुर्द, खड़ेनी, एरच एवं गढ़वाई सहित उपकेंद्र अस्ता, खदैनी, करगुआं, अड़जरा एवं बछेह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता, अभिलेखों का रखरखाव, आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों की उपलब्धता तथा शासन की स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति का परीक्षण किया गया। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बामौर डॉ. विमल गौतम, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गरौठा डॉ. विवेक कुमार सोनी, बीपीएम शैलेश यादव, ब्लॉक अकाउंट मैनेजर विनोद साहनी सहित गरौठा से अमित राय, कामिनी, अमित सचान, सीताराम, मुनीर खान, मनीष, कृष्ण गोपाल, शिवकांत, दिनेश सोनी, पूनम, सीमा देवी, मोहिनी पाल एवं संदीप सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

गरौठा में सीएम मॉडल स्कूल को लेकर फिर जगी उम्मीद, वीरपुरा में भूमि चिन्हित

मोंठ में विद्यालय जाने की आशंका से क्षेत्रवासियों में थी नाराजगी, विधायक ने मौके पर पहुंचकर किया स्थलीय निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय की स्थापना को लेकर गरौठा तहसील क्षेत्र में चल रही असमंजस की स्थिति के बीच अब एक बार फिर उम्मीद जगी है। ग्राम पंचायत वीरपुरा में विद्यालय निर्माण के लिए भूमि चिन्हित की गई है। गरौठा विधायक जवाहरलाल राजपूत ने रविवार को राजस्व कर्मचारियों की मौजूदगी में मौके पर पहुंचकर भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। गौरतलब है कि पूर्व में विद्यालय निर्माण के लिए लखेरी नदी के पार भूमि का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन निर्माण लागत अधिक होने का हवाला देते हुए बाद में मोंठ क्षेत्र में भूमि चिन्हित कर दी गई थी। इस फैसले से गरौठा क्षेत्र के लोगों में नाराजगी और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई थी। क्षेत्रवासियों को आशंका थी कि शिक्षा का यह महत्वपूर्ण संस्थान कहीं गरौठा के बजाय मोंठ तहसील में न चला जाए। इसी क्रम में विधायक जवाहरलाल राजपूत ने ग्राम वीरपुरा पहुंचकर राजस्व कर्मचारियों के साथ भूमि का निरीक्षण किया। इस दौरान भूमि संख्या 301, रकबा 3.505 हेक्टेयर तथा भूमि संख्या 299, रकबा 1.430 हेक्टेयर को मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए चिन्हित किया गया। हालांकि भूमि चिन्हित होने से क्षेत्रवासियों में उम्मीद जरूर जगी है, लेकिन अभी भी लोगों के मन में संशय बना हुआ है। उनका कहना है कि गरौठा तहसील लंबे समय से विकास की दौड़ में पिछड़ती रही है। ऐसे में अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विद्यालय का निर्माण वास्तव में गरौठा क्षेत्र में ही होगा या नहीं। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि इस बार शिक्षा का यह महत्वपूर्ण केंद्र गरौठा के हिस्से में ही आएगा, जिससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकेंगी। इस दौरान ग्राम प्रधान वीरपुरा नरेंद्र कुमार त्रिपाठी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वरुणकांत त्रिपाठी, हरप्रसाद पटेल, लेखपाल राज गुप्ता, गोविंद नारायण गुप्ता, सुमित पाठक, नारायणदास पटेल, ह्रदेश पटेल, ओमप्रकाश वाल्मीकि, कृष्णा मुरारी पटेल, प्रवीण ठेकेदार, रामराजा पटेल, महेश नापित, प्रभात पटवा, राजेंद्र प्रसाद पटेल सहित ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

प्रशासन की सक्रियता से 24 घंटे के अंदर मोबाइल चोर माल समेत गिरफ्तार



अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद के किशुनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत विजयीपुर नरैनी मार्ग में विगत दिवस शनिवार सुबह पहर हुई घटना के बाद प्रशासन मुस्तैद हुआ तथा 24 घंटे के अंदर मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया मिली जानकारी के अनुसार अपने खेतों की ओर जा रहे विजयीपुर गांव के ग्रामीण निरंकुश मौर्य के हाथ से मोबाइल छीन कर तीन युवक रफूचक्कर हो गए पीड़ित ने तत्काल नजदीकी थाना किशुनपुर में लिखित तहरीर देते हुए आरोपियों के गाड़ी का देखा गया पीछे वाली प्लेट का नंबर बताया प्रशासन ने तत्काल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ की वहीं थाना प्रभारी किशनपुर मनीष सिंह ने वाहन नंबर के आधार पर नरैनी कस्बे के निवासी मौजीलाल मोहन दुबे तथा खेमराज दुबे उर्फ कल्लू को गिरफ्तार किया कड़ी पूछताछ के पश्चात कब्जे से मोबाइल फोन तथा घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई थाना प्रभारी ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए विधिक कार्यवाही की

ठाकुर दरियाव सिंह समिति के नव निर्वाचित सदस्यों ने ग्रहण किया शपथ



अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , जनपद के खागा नगर पंचायत अमर शहीद दरियाव सिंह सभागार प्रांगण अंतर्गत ठाकुर दरियाव सिंह स्मारक समिति की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई गई आयोजित समारोह की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह द्वारा की गई जहां मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ रंजन कुमार श्रीवास्तव नगर पंचायत अध्यक्ष गीता सिंह तथा सहायक चुनाव अधिकारी अधिवक्ता योगेंद्र सिंह की मौजूदगी में निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई उपस्थित उच्च पदाधिकारियों की सहमति से प्रांगण में मौजूद सदस्य अध्यक्ष डॉ राजकुमार सिंह उपाध्यक्ष महेंद्र नाथ त्रिपाठी महामंत्री रामप्रताप सिंह सह महामंत्री गुलाब सिंह उप मंत्री अशोक कुमार सिंह संगठन मंत्री हरिश्चंद्र सिंह कोषाध्यक्ष कमलेश सिंह उप कोषाध्यक्ष ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह सदस्य रामचंद्र सुमन सिंह चौहान धर्मेंद्र सिंह मोहित सिंह फूलचंद्र पाल रामचंद्र सिंह उमेश कुमार मौर्य आदि ने शपथ ग्रहण कियो मौजूदा सभी लोगों ने शपथ ग्रहण करने वाले नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी

तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार



ऑपरेशन शस्त्र के तहत लोहियानगर पुलिस ने गौतम एन्क्लेव के रास्ते पर पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , ऑपरेशन शस्त्र के तहत लोहियानगर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से .315 बोर का अवैध तमंचा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी की पहचान अलाउद्दीन उर्फ सुहैल, पुत्र आशक अली, निवासी बीएसयूपी काशीराम कॉलोनी, लोहियानगर के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान लोहियानगर पुलिस गौतम एन्क्लेव जाने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली, जिसमें तमंचा मिला। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना लोहियानगर में मुकदमा अपराध संख्या 799/26 दर्ज किया है। उस पर धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अजय शुक्ला, उपनिरीक्षक महेश कुमार, उपनिरीक्षक सौरभ सिंह, हेड कांस्टेबल पुष्पेन्द्र सिंह और हेड कांस्टेबल नवीन कुमार शामिल थे।

कैंटर ने बाइक सवार मां-बेटे को रौंदा-मौत

4 साल के बेटे का पैर कटा, पति गंभीर घायल

अमन लेखनी समाचार



गाजियाबाद , शाम नेशनल हाईवे-9 पर तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवार परिवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला और उसके 11 महीने के बेटे की मौत हो गई, जबकि 4 साल के दूसरे बेटे का एक पैर कट गया। बाइक चला रहा महिला का पति भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा वेव सिटी थाना क्षेत्र में डासना से हापुड़ की तरफ सुंदरदीप कॉलेज के सामने हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कैंटर को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। परिवार हापुड़ के पिलखुवा का रहने वाला है। बाइक में पीछे से मारी टक्करपुलिस के मुताबिक, पिलखुवा थाना क्षेत्र के शिकोड़ा गांव निवासी असलम पत्नी गुलशन (28) और दो बेटों के साथ स्प्लेंडर बाइक से दिल्ली से हापुड़ जा रहे थे। गाजियाबाद से हापुड़ की ओर जा रहे कैंटर ने सुंदरदीप कॉलेज के सामने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में गुलशन और 11 महीने के बेटे अस्बान की मौत हो गई। बाइक चला रहे असलम गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि 4 साल के बेटे रिहान का एक पैर कट गया। सूचना पर वेव सिटी थाना प्रभारी शैलेंद्र तोमर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। 150 मीटर तक घसीटता रहा कैंटर टक्कर के बाद कैंटर महिला को करीब 50 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इसके बाद महिला का शव काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कुछ लोग शव का वीडियो बनाने लगे। बाद में पुलिस ने शव को कपड़े से ढककर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिवार में मचा कोहराम एक ही परिवार में मां और मासूम बेटे की मौत से कोहराम मच गया। हादसे में घायल असलम और उनके दूसरे बेटे का इलाज कराया जा रहा है। एसीपी वेव सिटी प्रिया श्रीपाल ने बताया कि पुलिस दोनों शवों का पोस्टमार्टम करा रही है। कैंटर को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया गया है। चालक को हिरासत में लिया गया है।

सपा पर निशाना लगाकर भाजपा का ग्राउंड बना गए असदुद्दीन ओवैसी

भाषण के 15 बड़े प्वाइंटस में समझिए कैसे भाजपा की राह आसान कर गए

अमन लेखनी समाचार



मेरठ , नौचंदी मैदान में हुई अपनी पहली चुनावी रैली में असदुद्दीन ओवैसी भाजपा के लिए पूरा सियासी ग्राउंड तैयार कर गए। भाषण में अकटकट चीफ ने सपा, कांग्रेस, अखिलेश यादव को अपने निशाने पर रखा। उनके बयानों का टार्गेट बेशक इंडिया गठबंधन था, लेकिन उन बयानों के मायने भाजपा को सियासी मजबूती देना था। अपने लगभग 50 मिनट के भाषण में 43 मिनट अखिलेश यादव और सपा के खिलाफ बातें कहीं। केवल 7 मिनट उन्होंने केंद्र, यूपी में मौजूदा भाजपा सरकार और सीएम योगी, पीएम मोदी को घेरा। उनके बयानों में मुसलमानों पर सपा, कांग्रेस में हुए अत्याचारों का जिक्र भरपूर था। उन्होंने मलियाना दंगा, हाशिमपुरा दंगे से लेकर मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र किया। इस रैली के भाषण में पूरी तरह मुसलमानों, दलितों को अपने पक्ष में करते हुए भाजपा को अंदरूनी तौर पर मजबूत कर गए। सियासी जानकारों की मानें तो असदुद्दीन ओवेसी का ये भाषण मुसलमानों, दलितों को अपने पक्ष में करते हुए विपक्ष का वोट काटकर भाजपा को फेवर करने वाला था। सपा, कांग्रेस के खिलाफ ओवेसी ने अपने भाषण में क्या कहा 15 बड़े प्वाइंट्स समझिए.... मलियाना और हाशिमपुरा दंगे कांग्रेस सरकार में हुए ओवैसी ने कांग्रेस की हिस्ट्री सुनाते हुए कहा कि ये वही मेरठ है जहां मुसलमानों पर कत्लेआम हुआ था। यहां 42 मुसलमानों का कत्लेआम हुआ था सरकार कांग्रेस की थी। पूछना अपने दादा, बुजुर्गों से कि हाशिमपुरा में क्या हुआ था। हाशिमपुरा दंगा कांग्रेस सरकार के समय हुआ उसका जिक्र किया। 22 मई 1987 को इसी मेरठ में क्या हुआ था। 23 मई को उसके दूसरे दिन 72 मुसलमानों का मलियाना में कत्लेआम हुआ था। कहा कि मैं या चंद्रशेखर आजाद मुख्यमंत्री थे। दो दिनों में पहले दिन 42 और दूसरे दिन 72 मुसलमानों का कत्लेआम हुआ। कहा कि कांग्रेस वालों तारीख तुम भूल जाते हो तुम समझते हो हमको याद नहीं है, हमको एक एक तारीख एक एक चीज याद है।

हम याद रखेंगे हम मरने से पहले अपनी औलादों को वसीयत करके जाएंगे कि 47 से लेकर आज तक जब तक हम जिंदा रहेंगे हम गुजरात भी बोलेंगे, एनकाउंटर भी अपने बच्चों को याद दिलाएंगे।

बिलासपुर में बदमाश महिला के सोने के गहने लूटकर फरार

परिचित बताकर बाइक पर बैठाया, कुंडल-अंगूठी छीनी, पुलिस चौकी में शिकायत

अमन लेखनी समाचार



जेवर, ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली इलाके के बिलासपुर कस्बे में शाम 5 बजे एक बदमाश महिला के सोने के कुंडल और अंगूठी लूटकर फरार हो गया। महिला खरीदारी करने आई थीं। आरोपी ने उन्हें परिचित बताकर बाइक पर बैठाया और कुछ दूरी पर ले गया। अस्तौली गांव निवासी कैप्टन योगेंद्र भाटी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शाम अपनी पत्नी कमलेश के साथ बिलासपुर में खरीदारी करने आए थे। वह किसी काम से बाजार गए, जबकि उनकी पत्नी वहीं खड़ी थीं। शिकायत के मुताबिक, एक युवक वहां पहुंचा और कमलेश से कहा कि वह उनका परिचित है और उन्हें अपनी मां से मिलवाना चाहता है। इसके बाद वह उन्हें बाइक पर बैठाकर कुछ दूरी पर ले गया। आरोप है कि वहां युवक ने कमलेश को डराया-धमकाया और उनके सोने के कुंडल और अंगूठी लूट लिए। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया।

असली डिब्बी में नकली सिगरेट

दो आरोपी गिरफ्तार, 3 रैपिंग मशीनें और 4940 खाली डिब्बियां बरामद

अमन लेखनी समाचार



नोएडा, नामी ब्रांड की सिगरेट के डिब्बों में नकली सिगरेट बेचने वाले दो लोगों को थाना फेज-2 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी खाली डिब्बियों में तंबाकू भरकर मशीनों से दोबारा रैप करते थे। इसके बाद इन पैकेटों को असली ब्रांड बताकर छोटे दुकानदारों को सप्लाई कर देते थे। डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा डॉ प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि इनके कब्जे से गोल्ड फ्लैक और कैप्सटन ब्रांड की 4940 खाली डिब्बियां, तीन रैपिंग मशीनें, 700 ग्राम खुला तंबाकू और एक कार बरामद की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को 14 नवंबर को पुस्ता रोड, ककराला के पास से गिरफ्तार किया। इनकी पहचान बुलंदशहर के अहमदगढ़ निवासी संदीप (28) और डिबाई निवासी संदीप उर्फ संजीव उर्फ सन्नी (25) के रूप में हुई है। दोनों फिलहाल गौतमबुद्धनगर में रह रहे थे। ऐसे तैयार करते थे नकली सिगरेट के पैकेटपुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे तंबाकू को खाली सिगरेट में भरते थे। इसके बाद सिगरेट को ब्रांडेड कंपनी की खाली डिब्बी में रखकर मशीन से दोबारा रैप कर देते थे। पैकेट की पैकिंग असली जैसी दिखाई देने पर इसे छोटे दुकानदारों को असली ब्रांड बताकर बेचते थे। इस तरह वे धोखाधड़ी कर मुनाफा कमाते थे। गोल्ड फ्लैक और कैप्सटन की हजारों खाली डिब्बियां मिलींपुलिस ने आरोपियों के पास से गोल्ड फ्लैक की 3500 और कैप्सटन की 1440 खाली डिब्बियां बरामद की हैं। इसके अलावा 700 ग्राम खुला तंबाकू, गोल्ड फ्लैक की 128 और कैप्सटन की 57 सिगरेट भी मिली हैं।

एसओजी प्रभारी समेत 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड

दिवाली से एक दिन पहले पकड़ा था चोरी का सामान लदा ट्रक, डीसीपी सेंट्रल ने की कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार



नोएडा, चोरी का ट्रक और उसमें लदा सामान बरामद करने के बाद करीब पांच दिनों तक अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं देना फेस-2 थाने की एसओजी टीम को भारी पड़ गया। मामले में लापरवाही और उच्चाधिकारियों को अंधेरे में रखने पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर सेंट्रल नोएडा डीसीपी प्रवीण रंजन ने एसओजी प्रभारी समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है बताया जा रहा है कि टीम ने दिवाली से एक दिन पहले चोरी का सामान लदा ट्रक पकड़ा था, लेकिन इसकी सूचना अधिकारियों को नहीं दी। दिल्ली पुलिस के नोएडा अधिकारियों से संपर्क करने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

इनको किया गया निलंबित

निलंबित पुलिसकर्मियों में फेस-2 थाने के एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक विकास सिकरवार, मुख्य आरक्षी आशीष कुमार, मुख्य आरक्षी जुबेर रिजवी, आरक्षी भूदेव और आरक्षी आशू शामिल हैं। इन सभी पर कार्रवाई की वजह चोरी के ट्रक की बरामदगी से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी समय रहते उच्चाधिकारियों को नहीं देना बताया जा रहा है।

जालौन में सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त हुए सांसद नारायण दास अहिरवार, गड्ढामुक्त होंगी शहर से गांव तक की सड़कें

हादसों वाले स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, बिना हेलमेट पेट्रोल देने पर रोक लगाने के निर्देश; कोहरे से निपटने के लिए बनेगी कार्ययोजना

अमन लेखनी समाचार



उरई (जालौन)। रानी लक्ष्मीबाई सभागार, विकास भवन उरई में सांसद जालौन-गरौठा-भोगनीपुर नारायण दास अहिरवार की अध्यक्षता में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, सड़कों को गड्ढामुक्त और झाड़-मुक्त बनाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सांसद ने पिछली बैठक में दिए गए निदेशों की समीक्षा करते हुए लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई और यूपीडा सहित सभी सड़क निर्माण एजेंसियों को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को गड्ढामुक्त और सड़क किनारे उगी झाड़ियों को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर गड्ढे और किनारों पर झाड़ियां दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनती हैं, इसलिए इनकी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। सांसद और पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। साथ ही बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन चलाने और दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया। बिना हेलमेट पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल न दिए जाने के संबंध में भी निर्देश दिए गए। आगामी सर्दी के मौसम में कोहरे से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क निर्माण एजेंसियों को विशेष कार्ययोजना तैयार करने तथा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव राजबीर सिंह जादौन ने कोटरा रोड के सीसी मार्ग में आई दरारों की मरम्मत कराने और बुंदेलखंड क्षेत्र सहित एनएचएआई की सड़कों को गड्ढामुक्त व झाड़-मुक्त कराने की मांग उठाई। विधायक कालपी विनोद चतुर्वेदी के प्रतिनिधि ने मदारीपुर में स्पीड ब्रेकर बनाने, आटा-इटौरा मार्ग की पुलिया का निर्माण कराने और सड़कों की मरम्मत कराने पर जोर दिया। वहीं विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा के प्रतिनिधि ने हरदोई-सोमई और कुइया-ऐर मार्ग को गड्ढामुक्त करने तथा आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग रखी। नगर पंचायत ऊमरी के चेयरमैन ने ऊमरी तिराहे पर रखे ट्रांसफार्मर को हटाने, रामपुरा से गोहन और ऊमरी से शेखपुर अहीर तक मार्ग का चौड़ीकरण कराने तथा ऊमरी बस स्टैंड तिराहे का दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़ीकरण कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि रामपुरा से जगम्मनपुर तक सड़क धंसने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस मार्ग का पचनद मेले से पहले सुदृढ़ीकरण कराने का अनुरोध भी किया गया। पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने जखौली कट पर रैंप के साथ फुट ओवरब्रिज बनवाने, जनपद के सभी विद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराने के निर्देश दिए। विद्यालयों में यातायात नियमों, संकेतकों और सड़क सुरक्षा संबंधी स्लोगन के बड़े-बड़े फ्लेक्स लगवाने की जिम्मेदारी जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपी गई। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी को कैशलेस उपचार की सुविधा देने वाले अस्पतालों की सूची उपलब्ध कराने और सरकारी स्थानों पर उनके बैनर लगवाने के निर्देश दिए गए।

बड्स एन ब्लूम्स विद्यालय में बाल दिवस पर सजा भव्य बाल मेला, बच्चों के स्टॉल रहे आकर्षण का केंद्र



अमन लेखनी समाचार

गुरसराय। नगर के बड्स एन ब्लूम्स विद्यालय के नवीन परिसर में बाल दिवस के अवसर पर भव्य बाल मेले का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अस्ता प्रधान प्रतिनिधि श्याम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन, पं. जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण एवं फीता काटकर किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा के साथ हुई। इसके बाद बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मेले में बच्चों द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रकार के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। शिक्षिकाओं पिंकी एवं बबीता ने एकल गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अमिता पटेल सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंधक पुरुषोत्तम पटेल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नीरज पाठक एवं पूजा ने किया।

विश्व मधुमेह दिवस पर सीएचसी में जागरूकता कार्यक्रम, 154 लोगों की हुई जांच; 12 नए मधुमेह रोगी मिले

अमन लेखनी समाचार



जालौन। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चिकित्सकों ने लोगों को मधुमेह से बचाव, नियमित जांच, संतुलित खानपान और योग-व्यायाम के महत्व की जानकारी दी। इस दौरान कुल 154 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 12 नए मधुमेह रोगी और तीन उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) के मरीज मिले। सभी को आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। कार्यक्रम में चिकित्साधीक्षक डॉ. कपिल गुप्ता ने कहा कि मधुमेह होने पर खानपान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। नियमित योग, व्यायाम और संतुलित आहार के माध्यम से रक्त में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखा जा सकता है। उन्होंने लोगों को समय-समय पर मधुमेह की जांच कराने और चिकित्सक की सलाह के अनुसार दवाओं का सेवन करने की अपील की। डॉ. राजीव द्विवेदी ने बताया कि मधुमेह चयापचय संबंधी बीमारियों का समूह है, जिसमें लंबे समय तक रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ा रहता है। इसका प्रभाव शरीर के विभिन्न अंगों पर पड़ सकता है। वहीं डॉ. सहन बिहारी गुप्ता ने कहा कि अनियमित जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियों की कमी, अत्यधिक गरिष्ठ भोजन और आनुवंशिक कारण मधुमेह के प्रमुख जोखिम कारक हैं। शरीर में इंसुलिन का पर्याप्त उत्पादन न होना या कोशिकाओं द्वारा इंसुलिन का सही उपयोग नहीं कर पाना भी इसका कारण बनता है। चिकित्सकों ने बताया कि मधुमेह को नजरअंदाज करने से आंखों की रोशनी, किडनी और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए समय पर जांच और उपचार बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. केडी गुप्ता ने भी लोगों को आहार-विहार में सुधार, नियमित व्यायाम और चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार उपचार जारी रखने की सलाह दी। इस मौके पर डॉ. नंदनी बाथम, डॉ. योगेश आर्या, डॉ. पीएन शर्मा, अवधेश राजपूत, मनिंद्र, प्रीति राठौर, विजय राव सहित स्वास्थ्य केंद्र का स्टाफ मौजूद रहा।

शादी का शगुन देकर लौट रहे दो युवकों पर पलटी पिकअप, एक की मौत; दूसरा जिंदगी और मौत से जूझ रहा

अमन लेखनी समाचार



बेहंदर क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर झौंनीखेड़ा के पास बाइक और पिकअप की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप अनियंत्रित होकर बाइक सवारों के ऊपर ही पलट गई। हादसे में 20 वर्षीय रमित कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार 15 वर्षीय रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, बेनीगंज थाना क्षेत्र के महुआ कोला गांव निवासी रमित कुमार अपनी बुआ के यहां संडीला शादी का शगुन देने आया था। रविवार को उसकी बुआ के बेटे की शादी थी। पारिवारिक रस्म निभाने के बाद रमित अपने 15 वर्षीय बुआ के बेटे रोहित के साथ बाइक से बेहंदर की ओर जा रहा था। इसी दौरान झौंनीखेड़ा के पास सामने से हुई पिकअप से टक्कर के बाद वाहन बाइक सवारों पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कासिमपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को लेकर कार्रवाई शुरू की। रमित के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से घायल रोहित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहंदर में भर्ती कराया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि हादसे की जानकारी मिली है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। परिवार के लिए यह हादसा गहरा सदमा बनकर आया है। रमित दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था। जिस घर में शादी की खुशियां थीं, वहां अब एक युवक की मौत से मातम पसरा है। शादी का शगुन देकर लौटे रमित की घर वापसी कभी नहीं हो सकी।

स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में दो दिवसीय आचार्य विकास वर्ग का शुभारंभ, संस्कारयुक्त शिक्षा पर दिया जोर

अमन लेखनी समाचार



जालौन। नगर स्थित स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में दो दिवसीय संकुल स्तरीय आचार्य विकास वर्ग का शुभारंभ उत्साह और गरिमामय वातावरण में हुआ। 14 से 15 नवंबर तक आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य शिक्षा को संस्कारमय, गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी एवं जीवनोपयोगी बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत संगठन मंत्री रजनीश जी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष रामराजा निरंजन, प्रधानाचार्य गुरु प्रकाश दीक्षित, संकुल स्तर के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग में आचार्य बंधु-भगिनियों ने उत्साह और समर्पण के साथ सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में भारतीय शिक्षण परंपरा, संस्कारयुक्त शिक्षा और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के समन्वय पर विशेष जोर दिया गया। शिक्षकों की शिक्षण दक्षता बढ़ाने, विषयों को रोचक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने, गतिविधि आधारित शिक्षण तथा नवीन शिक्षण विधियों के व्यावहारिक अभ्यास पर चर्चा की गई। साथ ही विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और श्रेष्ठ संस्कारों के विकास के लिए आचार्यों को मार्गदर्शन दिया गया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में ह्यविद्या ददाति विनयम्ह्ण और ह्यसा विद्या या विमुक्तयेह्ण जैसे भारतीय संस्कृति के महान सूत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि आचार्य ही राष्ट्र निर्माण के वास्तविक शिल्पी हैं। शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के जीवन को संस्कारित, प्रकाशित और उद्देश्यपूर्ण बनाने का सशक्त माध्यम है। वर्ग में अनुभवी शिक्षाविदों के मार्गदर्शन के साथ विभिन्न विद्यालयों से आए आचार्यों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी मिल रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण वर्ग शिक्षकों को नई दृष्टि, नवीन शिक्षण कौशल और प्रभावी कार्यपद्धति प्रदान करेगा, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलेगी।

नाबालिक बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले युवक के ऊपर प्रशासन ने की कार्यवाही

मां की तहरीर पर मेडिकल परीक्षण के लिए भेजी गई नाबालिक युवती

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर, जनपद के खखरेरू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासिनी नाबालिक दलित युवती के साथ गांव के ही एक सोहदे द्वारा दुष्कर्म किया गया पीड़िता की मां ने नजदीकी थाना में लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी बेटी प्रातः काल से पूर्व लगभग 3 बजे घर के समीप यह सौच क्रिया के लिए गई जहां पहले से मौजूद गांव के एक दरिंदे ने नाबालिक बेटी के साथ दुष्कर्म किया पीड़िता मां ने बताया कि युवक बेटी को नजदीक में ही संचालित अपने नलकूप ट्यूबवेल पर ले गया तथा घटना को अंजाम दे दिया घटना घटित होने के पश्चात नाबालिक बेटी अपने घर पहुंची तथा मां समेत अन्य परिजनों को घटना की जानकारी दी परिजन तथा नाबालिक बेटी की मां नजदीकी थाने पहुंचे तथा आरोपी युवक के खिलाफ प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई वही जानकारी लेने पर खखरेरू थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि मामले को लेकर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है

मंडी में गंदगी देख उपनिदेशक नाराज, ठेकेदार को समय से निर्माण पूरा करने की हिदायत

माधौगंज/हरदोई। कृषि उत्पादन मंडी समिति माधौगंज का रविवार को मंडी उपनिदेशक लखनऊ अनुरुद्ध प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया। उन्होंने मंडी परिसर में चल रहे नाली और पुलिया निर्माण कार्यों का जायजा लेकर ठेकेदार को निर्धारित समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताते हुए उन्होंने मंडी सचिव को तत्काल साफ-सफाई कराने को कहा। साथ ही कर्मचारियों के आवासों में मिली कमियों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटा प्रशासन, जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशिष्ट मंडी का किया निरीक्षण

पोलिंग पार्टियों की रवानगी से लेकर मतगणना और पार्किंग तक की व्यवस्थाओं की बनाई जा रही कार्ययोजना, सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी जोर

अमन लेखनी समाचार



जालौन। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 में अभी समय शेष है, लेकिन जिला प्रशासन ने चुनावी तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी समीर ने कालपी रोड स्थित विशिष्ट मंडी परिसर का निरीक्षण कर चुनावी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पोलिंग पार्टियों की रवानगी, मतगणना स्थल, वाहनों की पार्किंग और निर्वाचन से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं के लिए उपलब्ध स्थान का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी तैयारियां समय रहते चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएं। जिलाधिकारी ने निर्वाचन के दौरान सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए मंडी परिसर में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उनकी सतत निगरानी के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही पोलिंग पार्टियों को निर्वाचन सामग्री वितरण, बैठने, आवागमन और रवानगी की व्यवस्था सुव्यवस्थित रखने पर जोर दिया, ताकि चुनाव के समय किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने मतगणना स्थल, पार्किंग, प्रवेश और निकास मार्गों सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप विकसित कराने के निर्देश दिए। मंडी सचिव को परिसर की सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को भरने, रंग-रोगन और साफ-सफाई कराने के लिए भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त कर ली जाएं, जिससे विधानसभा चुनाव के दौरान पोलिंग पार्टियों की आवाजाही, वाहनों की पार्किंग और मतगणना का कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों के अनुसार विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव राज, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, एआरटीओ राजेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मंदिर के पास तालाब में मिला 55 वर्षीय व्यक्ति का शव, गांव में मची हलचल

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर थाना क्षेत्र क्षेत्र में रविवार शाम उस समय ग्रामीणों में हलचल मच गई, जब मुसलमानाबाद गांव में शंकर भगवान मंदिर के पास स्थित तालाब में एक व्यक्ति का शव उतराता मिला। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान 55 वर्षीय ओमप्रकाश उर्फ मंगल पुत्र मेवालाल उर्फ करिया के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, रविवार 15 नवंबर को शाम करीब चार बजे ग्राम प्रधान ने कासिमपुर पुलिस को तालाब में शव पड़े होने की सूचना दी थी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल के दौरान शव की शिनाख्त कराई। ग्रामीणों के अनुसार, ओमप्रकाश अविवाहित था। वह गांव के शंकर भगवान मंदिर में ही रहता था और इधर-उधर घूमकर अपना समय बिताता था। ग्रामीणों ने बताया कि उसे शराब पीने की आदत थी और उसका कोई स्थायी घर-परिवार नहीं था। प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है। घटनास्थल पर कानून-व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। फिलहाल व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ सकेगा।

बाल कविता संग्रह का मंत्री रजनी तिवारी ने किया विमोचन, मेधावी बच्चे सम्मानित

अमन लेखनी समाचार



शाहाबाद/हरदोई। ग्राम बिलालपुर (शर्मा) में 13 नवंबर को प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने राष्ट्रीय कवि डॉ. रोहित कुमार सिंह गौर के बाल कविता संग्रह 'गीत बचपन के' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. रोहित की कविताएं राष्ट्रप्रेम और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से ओतप्रोत हैं, जो बच्चों को अच्छे संस्कार देने का काम करती हैं। गन्ना समिति हरदोई के चेयरमैन रंजीत कुमार सिंह गौर ने कवि की साहित्यिक उपलब्धियों और सामाजिक कार्यों की सराहना की। डॉ. रोहित ने बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने पर जोर दिया। उनकी गाती नदिया, मेरा सुनहरा भारत, जब निकला चांद और मैं दीवाना तुम्हारे प्रेम का सहित कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी रचनाएं आकाशवाणी, दूरदर्शन और नंदन, बालहंस व कल्याण जैसी पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हुई हैं। इस अवसर पर हाईस्कूल में जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शरदबीर सिंह के अलावा अंशिका शर्मा, लकी सिंह और काम्या सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रधान संघ अध्यक्ष शदर सिंह, एडवोकेट रामराज सिंह, अनुज राजपूत, कमलेश सिंह, संतन सिंह, पं. रामजी द्विवेदी, महेंद्र पाल सिंह, पप्पू सिंह और राहुल सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। संचालन जयशंकर तिवारी ने किया।

दोपहर में बंद रहता है टोडरपुर ब्लॉक का मुख्य गेट, फरियादी परेशान

शाहाबाद/हरदोई। विकासखंड टोडरपुर में प्रतिदिन दोपहर एक से दो बजे तक मुख्य गेट बंद रखे जाने से ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। आवास, पेंशन, मनरेगा और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचने वाले फरियादियों को गेट बंद मिलने पर इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि आखिर मुख्य गेट बंद रखने का आदेश किस अधिकारी ने दिया है और क्या इसके लिए कोई लिखित आदेश जारी किया गया है? ग्रामीणों ने जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय से मामले की जांच कराकर जिम्मेदारी तय करने और कार्यालय आने वाले फरियादियों के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।

दो-तिहाई बहुमत के लक्ष्य के साथ भाजपा ने शुरू की 2027 की चुनावी तैयारी, बूथ प्रबंधन पर जोर

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के लक्ष्य के साथ भाजपा ने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। रविवार को जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की अध्यक्षता में आयोजित जिला संगठनात्मक बैठक में बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री तथा उत्तर प्रदेश सह-प्रभारी प्रदीप कुमार वर्मा और राज्यसभा सांसद एवं महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेधा कुलकर्णी ने कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। निवर्तमान क्षेत्रीय अध्यक्ष अवध एवं जिला प्रभारी कमलेश मिश्रा तथा क्षेत्रीय मंत्री गौरव भाटिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि चुनाव में जीत के लिए बूथ प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाने के साथ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचकर सरकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना होगा। उन्होंने पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मान देते हुए संगठन में सक्रिय भूमिका देने पर भी जोर दिया। मेधा कुलकर्णी ने महिला सुरक्षा और प्रदेश की कानून-व्यवस्था को सरकार की उपलब्धि बताते हुए महिला कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क कर महिलाओं को संगठन से जोड़ने की अपील की। कमलेश मिश्रा ने एक्सप्रेस-वे, बिजली व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया। गौरव भाटिया ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार के विकास कार्यों और सुशासन को लेकर जनता के बीच जाएं। बैठक में विधायक रामपाल वर्मा, माधवेंद्र प्रताप सिंह, अशोक अग्रवाल, अलका अर्कवंशी, प्रभास कुमार, आशीष सिंह आशू, श्याम प्रकाश, पूर्व सांसद राघवेंद्र सिंह, एडवोकेट अंशुल वर्मा तथा सदर विधानसभा प्रभारी राजकुमार सिंह चौहान मौजूद रहे। इसके अलावा संडीला, गोपामऊ और शाहाबाद विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी, पूर्व जिलाध्यक्ष, मोर्चा प्रभारी एवं जिले के प्रमुख संगठनात्मक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले का संगठन आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की निर्धारित रणनीति को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी

एक जरूरी पड़ताल



आज भले ही हमारे देश में युवाओं की आबादी अधिक है। लेकिन तमाम आंकड़े और अध्ययन बताते हैं कि आने वाले कुछ दशकों में युवाओं से अधिक बुजुर्गों की आबादी हो सकती है। इसकी अनेक वजहें हैं। देश के निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर बने रहने के लिए बुजुर्ग और युवा जनसंख्या में संतुलन आवश्यक है। इसलिए इन वजहों की पड़ताल और प्रभावी कदम उठाए जाने की बहुत जरूरत है।

कवर स्टोरी

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। वह युवा शक्ति ही है, जो देश के विकास को गति देती है, उसकी दशा एवं दिशा तय करती है और परिवर्तन की निमित्त बनती है। खुशी की बात है कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की चालीस प्रतिशत से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं का प्रतिशत लगभग पैंसठ प्रतिशत है। देश के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है। लेकिन सामाजिक स्थितियां इंगित कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है।

क्या कहते हैं आंकड़े

अपना देश बुढ़ापे की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत बूढ़ों का देश हो जाएगा। यानी, यहां युवाओं की तुलना में बूढ़ों की संख्या अधिक हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1951 में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 करोड़ थी। वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 प्रतिशत थी। अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 प्रतिशत हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान यानी 2025 में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी कुल आबादी की लगभग 12 प्रतिशत से कुछ अधिक है। 2030 तक देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ कर 13.8 प्रतिशत हो जाएगी, जो देश की तत्कालीन आबादी का सातवां हिस्सा होगा। यानी देश का हर सातवां नागरिक बुजुर्ग होगा। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ होगी और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की 15 प्रतिशत तक हो जाएगी। इसमें 80 साल से अधिक आयु का हिस्सा ज्यादा होगा। इसी प्रकार अनुमान है कि सन् 2050 में देश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी सीनियर सिटिजन की होगी। सन् 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी पचास साल बाद 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति सिनियर सिटिजन होगा।



कम हो रही युवा आबादी

वर्तमान समय में भारत की आबादी की औसत आयु 29 वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सन् 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 प्रतिशत थी। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से भी अधिक थी। लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि सन् 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर मात्र लगभग 22.7 प्रतिशत रह जाएगी। कहना न होगा कि युवा आबादी घटने से देश के जनबल और कार्यबल में कमी आएगी।

बढ़ रही है औसत आयु

पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी बहुत तेजी के साथ घट रही है, जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधाएं तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) लगातार बढ़ रही है। अब से लगभग सौ साल पहले यानी बीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत में औसत आयु 30 वर्ष थी। छठे दशक में भारत की औसत आयु बढ़कर 43.5 वर्ष हो गई थी। 1990 में यह 58 वर्ष थी और अब अपने देश की औसत आयु लगभग 72 वर्ष हो चुकी है। एक तरफ जहां आदमी की औसत आयु लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मृत्यु दर घट रही है।

जन्मदर में आ रही है कमी

आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है लेकिन नवजात की जन्म दर में कमी की प्रवृत्ति अवश्य चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों के जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं बल्कि ऐच्छिक, सुविचारित और सुनियोजित है। कह सकते हैं कि आज की युवा पीढ़ी तात्कालिक फायदे के मूल्य पर देश-समाज के भविष्य के लिए मुश्किल पैदा कर रहे हैं। भारत में जन्म लेने वाले शिशुओं की वार्षिक संख्या वर्ष 2001 में 2.93 करोड़ थी। वर्ष 2023 में यह संख्या 2.32 करोड़ रह गई। यानी लगभग दो दशक की अवधि में नवजात शिशुओं की संख्या में 20 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है।

देर से शादी भी है वजह

इस भावी समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले तक शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। लेकिन करियर के दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार महिलाओं की प्रजनन क्षमता 20 से 27 वर्ष की आयु के मध्य अपने चरम पर होती है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस क्षमता में गिरावट आने लगती है। इससे गर्भ धारण करने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसी प्रकार पुरुषों में भी 35 वर्ष की उम्र के बाद शुक्राणु उत्पादन में गिरावट आने लगती है। यही कारण है कि समाज में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अंततः युवा आबादी में ह्रास के रूप में सामने आ रही है। इसके अलावा आज कई युवा विवाह को बंधन मानने लगे हैं। लिव इन रिलेशन के ट्रेंड से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे कपल्स बच्चे पैदा करने और उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होते हैं। विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है।

वजहें कोई भी हों, देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। अभी समय है कि युवाओं की घटती संख्या को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले संभावित संकट यानी देश को बूढ़ों का देश होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। ✱

बुजुर्गों के बढ़ने की ये भी हैं अन्य वजहें

युवाओं की आबादी घटने के पीछे कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा मार्ग दुर्घटनाएं भी युवा वर्ग की मृत्यु के कारण बन रहे हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव कई ऐसे कारण हैं, जो युवा वर्ग को आत्महत्या की तरफ ढकेल रहे हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एक के एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2023 से अप्रैल 2024 की अवधि में एम्स के जंक्शन, ऑफिस तथा रेल यात्रा के दौरान आत्महत्या संबंधी मामलों में 57.2 प्रतिशत युवा थे, जिनकी औसत आयु 33.6 वर्ष थी। खास बात यह कि ऐसे मरने वालों में भी पुरुषों की संख्या महिलाओं से लगभग दो गुनी थी। किशोर वय के छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। जर्नल बताते हैं कि छात्रों की आत्महत्या की दर पिछले लगभग दस वर्षों में 65 प्रतिशत बढ़ी है।

आत्महत्या के बाद युवा मृत्यु का दूसरा बड़ा कारण है वाहन दुर्घटना। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की सहभागिता कुल युवा मृत्यु का 16.4 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष औसतन दो लाख लोगों की मौत होती है। इसमें खास बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 65 प्रतिशत युवा होते हैं। इसके अतिरिक्त गुप्तरोग, वात रोग, खाज खतरनाक, खेतोजवारी, पुराना, बवासीर तथा अपच आदि में युवाओं की संख्या में गिरावट के कारण बन रहे हैं। देश में युवाओं की घटती आबादी के पीछे एक बड़ा कारण परिवार नियोजन की नीति में है। 15 फरवरी 2000 को लोकित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य जन 1045 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। चिंता की बात यह कि देश के 14 राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हो गई है। पड़ोसी देश चीन इस क्षेत्र में रूकी का तुपरिणाम भुगत चुका है। इसलिए हमें उजल रहना जरूरी है।

लाइब्रेरी से किताबें अपने घर लाने की बात हो या वहीं सुकून से बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने की, लाइब्रेरी शब्दों से रिश्ता जोड़ने की प्यारी जगह है। अब तो डिजिटल फॉर्म में भी यह खूब लुभा रही है। नेशनल लाइब्रेरी वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर लाइब्रेरी की उपयोगिता पर एक नजर।

कायम है किताबों से जुड़ाव



लाइफस्टाइल

डॉ. मोनिका शर्मा

मानवीय जीवन में पुस्तकें पढ़ने की उपयोगिता हमेशा से रही है। शब्दों से जुड़ाव के इस माध्यम की भूमिका हर दौर में अहम रही है। यूं भी बेहतरी की ओर बढ़ते रहने के लिए किताबों के पन्ने पलटने का चाव, उम्र के हर पड़ाव में रहना ही चाहिए। ऐसे में पुस्तकालय यानी पुस्तकों के आलय का महत्व भी सदा ही रहेगा।

लाइब्रेरी की महत्ता: लाइब्रेरी का अंग्रेजी शब्द लाइब्रेरी का ही हिंदी रूपांतर है। यह शब्द लैटिन भाषा के 'लाइबर' शब्द से बना है, जिसका अर्थ पुस्तक होता है। स्पष्ट है कि कहीं न कहीं यह पुस्तकों से जुड़ाव बनाने वाली मुहिम है। जिसके तहत अध्ययन, पठन, रिसर्च और ज्ञान के प्रसार के लिए कई तरह की पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, डॉक्युमेंट्स और संसाधनों को व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जाता है। कई महंगी किताबें, लिमिटेड एडिशन वाली पुस्तकें, रिसर्च पेपर्स आदि बिना खर्चा किए यहां पढ़े जा सकते हैं। किफायत, सहूलियत और आमजन में अवेयरनेस लाने वाले स्थलों के रूप में पुस्तकालयों की अहमियत आज भी कायम है। पुस्तकालय, सिर्फ एक इमारत भर नहीं होते। यह शिक्षित और जागरूक समाज बनने का सपना साधने की भी जगह होती है। वहां का परिवेश जन-जागरूकता का केंद्र होता है।



यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य: रीडिंग हैबिट्स बढ़ाने के साथ ही लोगों को बुक्स का महत्व समझाने के लिए हमारे देश में भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा 1968 से हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। असल में नेशनल लाइब्रेरी वीक में आयोजित होने वाली बहुत-सी एक्टिविटीज लोगों को किताबों से जोड़ने का काम करती हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज और पब्लिक लाइब्रेरीज में पुस्तक प्रदर्शनियां, क्विज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और स्टोरी टेलिंग-रीडिंग से जुड़े कई कार्यक्रम होते हैं।

जुड़ाव की जगह: लाइब्रेरी सिर्फ किताबें पढ़ने की जगह नहीं होती। किताबों का यह घर बहुत से लोगों को अपनेपन, वैचारिक संवाद और आपसी जुड़ाव का भी अवसर देता है। यहां नियमित आने वाले लोग अच्छे मित्र बन जाते हैं। ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर अच्छी चर्चा होती है। खासकर पब्लिक लाइब्रेरीज में तो समाज के हर वर्ग के लोगों को बिना किसी भेदभाव के ही पुस्तकें मिलती हैं। इतना ही नहीं शिक्षण संस्थानों की एकेडेमिक लाइब्रेरीज में भी स्टूडेंट्स में अच्छा आपसी जुड़ाव बनता है। स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाई गई लाइब्रेरीज नए विचारों और आइडियाज को समझने का कोना होते हैं। इतना ही नहीं पुस्तकालयों को पीढ़ियों का सेतु भी कहा जाता है। वहां पर बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों में साझा संवाद होता है। एक ही छत के नीचे बैठकर हर आयुवर्ग के लोग पुस्तकें पढ़ते हैं, तो विचार साझा करने का मार्ग भी निकलता है। ऐसे में पुस्तकालय बुजुर्गों को सोशल आइसोलेशन से भी बचाते हैं।

होते हैं अनेक लाभ: यहां विद्यार्थी किसी एक ही विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से लिखी कई पुस्तकें पढ़कर भी समृद्ध होते हैं और अलग-अलग विषयों की बहुत सारी किताबें पढ़कर भी समान रुचि वाले स्टूडेंट्स मिलकर कुछ नया रचने-गुनने की साझी राह पकड़ते हैं। बुके में हुई एक स्टडी के मुताबिक शांत और सुरक्षित माहौल में नियमित रूप से पढ़ना और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों के साथ उपस्थिति महसूस करना तनाव, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को कम करता है। देखने में आता है कि बहुत से लोग लाइब्रेरीज में मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट और सकारात्मक जीवनशैली पर लिखी गई किताबें भी पढ़ते हैं। मानसिक तनाव कम करने और जीवन को नया दृष्टिकोण देने वाली ऐसी पुस्तकें आमतौर पर अकादमिक पुस्तकों की तरह खरीदकर कम ही पढ़ी जाती हैं। ज्ञान के प्रसार का जीवंत केंद्र माने जाने वाले पुस्तकालयों में बैठकर इन्हें पढ़ने वाले इनसे खूब लाभान्वित होते हैं। अपने जीवन की सार्थक दिशा तलाशने का प्रयास करते हैं।

तकनीक ने बदला रूप: हालिया वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी लोग किताबों तक पहुंचने लगे हैं। पुस्तकों का यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी हर आयुवर्ग में तेजी से पॉपुलर हो रहा है। असल में डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा डेटाबेस है, जहां पुस्तकें, थीसिस, विभिन्न विषयों से जुड़ी ऑडियो, वीडियो एवं दूसरी शैक्षिक सामग्री डिजिटल रूप में संग्रहित की जाने लगी है। इंटरनेट की मदद से इस इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट को कंप्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। हमारे यहां नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय खूब चर्चित हो रहे हैं। सबसे अहम यह है कि यह सब सामग्री हर समय आपके पास होती है। नई पौढ़ी के बच्चों को डिजिटल दुनिया के पुस्तकालय खूब लुभा रहे हैं। वास्तविक हो या वर्चुअल, किताबों से जोड़ने वाले ये ठिकाने आज भी अपनी अहमियत बनाए हुए हैं। ✱

लघुकथा / संजीव ठाकुर

फैशन



इधर हमारे घर आते-आते भीग गया था। उसने अपने घर से फोन किया था कि बारिश हो रही है, वह थोड़ी देर से आएगा। मैंने कहा था, 'कोई बात नहीं, लेकिन आना जरूर। हम तैयार बैठे हैं, जाना जरूरी है।' मैंने उसे एक अतिरिक्त ड्रेस भी साथ रख लेने की सलाह भी दी थी। वह खाली हाथ आया था! अतिरिक्त ड्रेस साथ रखना उसे अपनी शान के खिलाफ लगा होगा। उसकी गीली कमीज को देखकर मैंने पूछा, 'इसी तरह जाओगे? मैंने तो तुम्हें कहा था!' 'चला जाऊंगा। रास्ते में सूख जाएगी!' उसने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में आया कि मेरे पास जो टी-शर्ट रखी है, किसी को दी हुई, जिसका रंग मुझे पसंद नहीं है, किसी को देनी ही है, इसी को दे देता हूं!

मैं उसे गेट पर रुकने को बोलकर कमरे के अंदर चला गया, टी-शर्ट निकाल लाया। मैंने कहा, 'इसे पहन लो, नई है।' उसने अपनी गीली कमीज उतार कर टी-शर्ट पहन ली लेकिन पहनते ही बोला, 'ढीली है।' मैंने कहा, 'ढीली ही है न, गीली तो नहीं? ये देखो, मैंने भी ढीली कमीज ही पहन रखी है।'

मुझे लगा कि उसे ढीली की जगह अपनी गीली कमीज पहनने का ही मन था लेकिन फिर भी वह ढीली पहनकर ही गाड़ी में बैठ गया।

करीब एक सौ बीस किलोमीटर की यात्रा कर हमें अपनी बेटी के इंस्टीट्यूट में जाना था। बीच रास्ते में हम चाय के लिए रुके। चाय पीते हुए हम पति-पत्नी ने गौर किया कि टी-शर्ट उस पर ठीक ही लग रही है। लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, वह हम नहीं समझ पाए। वह हम तब समझ पाए, जब बेटी के इंस्टीट्यूट पहुंचे और गाड़ी रोकते ही उसने त्वरित गति से पॉलीथीन से अपनी आधी गीली कमीज निकालकर पहन ली और टी-शर्ट उसी पॉलीथीन में पैक कर दी! ✱

व्यंग्य

अरुण अर्तान

क्षेत्र की खुशी के लिए!

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।



पिछले दिनों नेताजी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना करते हुए पवित्र नदी में डुबकी लगाने गए थे। क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे से डुबकी लगाई व खुद के मन की शांति के लिए स्नान भी किया। अपना नहीं, दूसरों का भला हो, ऐसा सोचने वाले अब कम ही लोग मिलते हैं। वह भी राजनीति के क्षेत्र में! लेकिन हमारे नेताजी क्षेत्र के बारे में बहुत सोचते हैं। उनकी राजनीति, उनके क्षेत्र की खुशी में ही चल रही है। अपने क्षेत्र को खुश देखना उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वे क्षेत्र की खुशी में ही स्वयं की खुशी मानते हैं!

अपने क्षेत्र की खुशी के लिए दिन-रात क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। दो तीन कारें उनके दौरे के लिए दौड़ती ही रहती हैं। क्षेत्र के विकास के लिए आई राशि से क्षेत्र का विकास भले न हो लेकिन नेताजी उस राशि से स्वयं तीर्थ करके क्षेत्र की खुशी की कामना करना नहीं भूलते हैं। कैसे भी हो क्षेत्र की जनता खुश रहनी चाहिए। इसीलिए क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कहीं किसी उपदेशक ने कोई कथा सुनानी शुरू की नहीं कि नेताजी उसके चरणों में क्षेत्र की खुशी के लिए दंडवत हो जाते। दंडवत होते हुए नेताजी के चेले उनका फोटो सोशल मीडिया पर झट से पोस्ट कर देते हैं। सोशल मीडिया पर भी क्षेत्र की जनता खुश हो जाती है। कामना हर ओर से चलती रहती है। कामना में कोई कमी नहीं रहने देते हैं।

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है, तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, क्षेत्र में कार से घूमते हुए कोई मतदाता दिख गया तो उस मतदाता तक कार से उतरकर पैदल जाना इत्यादि ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे क्षेत्र की खुशी की कामना में सिर्फ पैदल ही चलते हैं बल्कि क्षेत्र की खुशी के लिए भूमि पूजन, उद्घाटन, दीप प्रज्ज्वलित करना, जनता को संबोधित करना, नए कार्यों का शुभारंभ करना, गरीब की झोपड़ी में जाकर भोजन करना इत्यादि कार्य उन्होंने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल कर रखा है। कैसे भी करके क्षेत्र के लोगों को खुश होना चाहिए। क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। यदि क्षेत्र की खुशी की कामना में नेताजी के अकेले की दौड़भाग में कोई कमी पड़ने लगती है तो वे अपने घर व परिवार वालों को भी इसमें लगा देते हैं। कभी-कभी तो रिश्तेदारों तक को क्षेत्र की खुशहाली के लिए लगाना पड़ता है। इसमें कोई मुश्किल नहीं होती क्योंकि उनके दूर दूर के रिश्तेदार भी नेतागीरी में ही सक्रिय हैं।

क्षेत्र की जनता को व्यापार करने में परेशानी होती है तो नेताजी अपने घर में से पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई, भतीजे आदि को क्षेत्र की जनता के बीच रहकर व्यापार करने के लिए भी भेज देते हैं। अक्सर ऐसे व्यापार में बड़ी चुनौतियां व झंझट होते हैं, इसलिए वे अपने परिवार तक को इसमें झोंक देते हैं। जनता को किसी संकट में नहीं डालते हैं। ऐसे व्यापार में शराब ठेके का लाइसेंस हो, रेत खनन, निजी स्कूल चलाना, सड़कें बनाना हो, सरकारी भूमि की तलाश करना इत्यादि जैसी गंभीर व्यापारिक चुनौतियों में भी बगैर झिझक के नेताजी स्वयं व अपने परिवार, नातेदारों को झोंक देते हैं।

जनता की खुशी में ही उनकी खुशी रहती है। किसी के मरने पर या फिर क्रियाकर्म में भी पहुंचकर नेताजी क्षेत्र की खुशी ही देखते हैं। वैसे वे मृत्युभोज के खिलाफ हैं, लेकिन उस आयोजन में जाते जरूर हैं, क्षेत्र की जनता की खुशी के लिए। और सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि के प्रबंधन के लिए भी।

विवाह के आशीर्वाद समारोह में पहुंचकर क्षेत्र की खुशी के लिए आशीर्वाद लुटाते हैं। जब भी किसी आयोजन में होते हैं, अपने भाषणों में सबसे पहले क्षेत्र की खुशी की कामना से ही भाषण को दिशा देते हैं। विधानसभा व संसद की कार्यवाही में भाग लेने से ज्यादा उन्हें सड़कों पर धरना या आंदोलनों में क्षेत्र की खुशी दिखती है। उन्हें हर कदम पर क्षेत्र की खुशी की कामना ही दिखती है। विश्वविद्यालय की समितियों में अपने लोगों को फिट करना हो या फिर मंत्रालयों में अपने कार्यकर्ताओं को बैठाना हो, नेताजी ऐसे मामलों में भी क्षेत्र की खुशी की कामना का अवसर निकाल ही लेते हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर संसद की बहसों तक वे क्षेत्र की खुशी की तलाश में ही रहते हैं। सरकारी विदेश यात्राओं में भी वे पूरी तरह से क्षेत्र की खुशी का ध्यान रखते हैं। सच, जिस क्षेत्र में ऐसे नेता मौजूद हों तो वहां के लोगों को खुशी के मारे पागल होने से कोई नहीं बचा सकता। ✱

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पत्नी केंद्रित कहानियां



वरिष्ठ कथाकार नवनीत मिश्र की पत्नी केंद्रित ग्यारह कहानियों का संग्रह 'बेटर हाफ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। ये कहानियां पत्नी के नजरिए से दांपत्य जीवन के अंतरे-कोने में झांकती हैं। ये कहानियां सवाल उठाती हैं कि अर्धांगिनी के रूप में आने के बाद भी स्त्री के प्रति पुरुष की मानसिकता प्रायः क्यों अपने पुरुषत्व से मुक्त नहीं हो पाती है? इस लिहाज से 'बेटर हाफ' और 'मकड़ा' कहानी को विशेष तौर पर पढ़ा जा सकता है। 'व्यक्तिगत डायरी: कृपया इसे न पढ़ें' स्त्रीत्व की अनुभूति की मार्मिक कथा है। 'रिश्ते' कहानी में पुरुष से स्वयं अलग होने का निर्णय लेने वाली एक स्त्री के द्वारा उठाया गया सवाल, झकझोर देता है। संग्रह की लगभग हर कहानी में अलग-अलग नजरिए से बिना शोर मचाए स्त्री विमर्श अभिव्यक्त हुआ है। भाषा की रवानगी और शिल्प की चुंबकीय बुनावट ने इन कहानियों में गजब की पठनीयता उत्पन्न कर दी है। ✱

पुस्तक: बेटर हाफ (कहानी संग्रह), लेखक: नवनीत मिश्र, मूल्य: 450 रुपए, प्रकाशक: भावना प्रकाशन, दिल्ली